हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 306 बेमेतरा, गुरुवार 02 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

सैनिक को मजबूत, फुर्तीला और तकनीकी रूप से हो कुशल

नई दिल्ली। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि अगर भविष्य के आकलन से पता चलता है कि अग्निवीरों को लंबे समय तक सेवा में बनाए रखने से रक्षा बलों को मदद मिल सकती है, तो इस योजना में उचित बदलावों पर विचार किया जा सकता है। जनरल द्विवेदी ने अग्निपथ योजना को मानव संसाधन में बड़ा सुधार बताया है, जिसका मकसद युवा, फिट और भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है। चीन के साथ संबंधों को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि गलतफहमियों को रोकने और सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच हर साल 1100 से ज़्यादा बार बातचीत होती है। अग्निपथ योजना के तहत सेना चार साल के लिए सैनिकों को भर्ती करती है, जिसके बाद उनमें से 25 प्रतिशत को सेवा में बनाए रखा जाता है, जबकि बाकी 75 प्रतिशत को दूसरी नौकरियां करने के लिए सेवा से मुक्त कर दिया जाता है। राज्य और केंद्रीय पुलिस बलों में अग्निवीरों के लिए कई पद आरक्षित किए गए हैं

मटन-दही खाने से महिला की मौत, पति की हालत गंभीर

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक बेहद हैरान और डरा देने वाला मामला सामने आया है। यहां मटन के साथ दही खाने से महिला की मौत हो गई। जबकि पति की हालत गंभीर है। जैसे ही खबर फैली इलाके में हड़कंप मच गया है। लोग इस बात को लेकर सहमे हुए हैं कि क्या वाकई मटन-दही खाने से मौत हो सकती है। दरअसल ये पूरा मामला नासिक के बागलान तालुका के आखतवाडे गांव का है। रविवार रात बुजुर्ग किसान शांताराम (78 वर्ष) और उनकी पत्नी द्वारकाबाई (68 वर्ष) ने बड़े शौक से घर पर मटन बनाया था। मटन बनने के बाद दोनों ने साथ में दही भी खाया था। खाना खाने के बाद दोनों सोने चले गए। कुछ देर बाद दोनों को उल्टी, दस्त और पेट में तेज दर्द की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ती देख परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान बुजुर्ग महिला द्वारकाबाई ने दम तोड़ दिया। वहीं शांताराम की हालत लगातार नाजुक बनी हुई है। उन्हें मालेगांव के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर/कड़ी निगरानी पर रखा गया है

महाराष्ट्र में कक्षा 1 से 10 तक मराठी भाषा अनिवार्य

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के सभी शिक्षा बोर्डों से संबद्ध स्कूलों में पहली से दसवीं कक्षा तक मराठी भाषा पढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है. राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सरकार मराठी भाषा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार और विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. विधानसभा में घोषणा करते हुए शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों और अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा. सरकार ने साफ किया है कि इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पूरे राज्य में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा.

सिलेंडर के बाद तेल के भी दाम घटे,जुलाई के पहले दिन बड़ी राहत

गैस सिलेंडर के बाद-पेट्रोल 5 और डीजल 3 रूपया सस्ता हुआ

नई दिल्ली/ एजेंसी

जुलाई महीने का पहला दिन लोगों के लिए खुशखबरी और राहत देने वाला रहा। एलपीजी गैस सिलेंडर के बाद पेट्रोल-डीजल भी सस्ता हो गया है। पेट्रोल ?5 और डीजल ?3 सस्ता हुआ है। ये कटौती नायरा एनर्जी ने की है। प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नयारा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। नई कीमतें आज यानी 1 जुलाई से लागू हो गई है। नयारा एनर्जी के बाद इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम भी तेल के दाम सस्ता कर सकता है। बता दें कि इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। ऑयल कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 180 रुपये की कटौती की है। नयारा के देशभर में 7000 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। रूस की रोसनेफ्ट समर्थित फ्यूल कंपनी है। इसके साथ ही ये प्राइवेट सेक्टर की देश की सबसे बड़ी पेट्रोल-डीजल रिटेल सेलर के रूप में उभरी है। कंपनी ने अब अपने देशव्यापी नेटवर्क पर पेट्रोल प्राइस में 5 रुपये और डीजल प्राइस में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती का तोहफा दिया है। फिलहाल सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने पेट्रेल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दाम में कोई

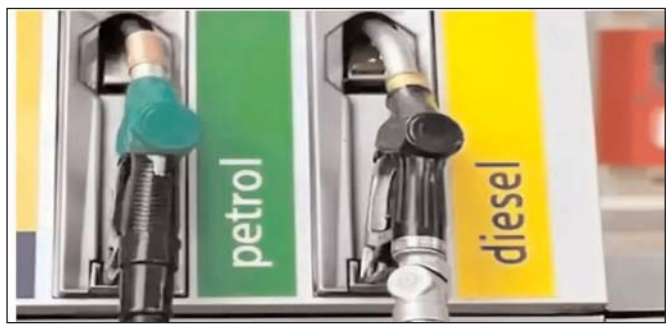

कमी नहीं की है। हालांकि नयारा एनर्जी की तरफ से दाम सस्ता करने के बाद सरकारी तेल कंपनियां भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी कर सकती है। इधर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। ऑयल कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 180 रुपये की कटौती की है। नये रेट्स की बात करें, तो दिल्ली में 3,113 रुपये का मिलने वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब सस्ता होकर 2,930 रुपये का रह गया है। इस हिसाब से गैस सिलेंडर की कीमत 183 रुपये घटाई गई है। जबकि कोलकाता में सिलेंडर अब 3,081.50 रुपए में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 3,255.50 रुपए थी। वहीं लखनऊ में कीमत 3,236 रुपए से घटकर 3,052.50 रुपए और पटना में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3,227 रुपए हो गई है। इधर 1 जुलाई से सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज़ ड्यूटी बढ़ाकर 4 रुपए प्रति लीटर कर दी है। पहले यह ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति लीटर थी। समयऔर कैलेंडर अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है, यानी अब आप अपनी गाड़ी में जितना चाहें उतना डीजल भरवा सकेंगे। इसके साथ ही फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल खरीदारों पर लगी रोक भी हटा दी गई है।

सरकारी कंपनियों के कीमत स्थिर...

ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच जहां एक तरह नायरा एनर्जी ने लोगों का राहत दी है, वहीं, सरकार तेल कंपनियों के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने फिलहाल कीमतें स्थिर रखी हैं। ये तीनों कंपनियां भारत के एक लाख से ज्यादा पेट्रोल-पंपों में से 90 प्रतिशत से ज्यादा का फ्यूल स्टेशनों को चलाती हैं, जहां कीमतें पहले की तरह स्थिर हैं। राजधानी दिल्ली में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन आउटलेट्स पर पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है।

क्या है तमिलनाड़ का गोवध से जुड़ा मामला?

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम पहुंची विजय सरकार....

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। दरअसल, इस फैसले में राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। अपनी याचिका में, तमिलनाडु सरकार ने उच्च न्यायालय के 27 मई के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक/ पुलिस बल प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि राज्य भर में बकरीद की पूर्व संध्या पर 28 मई को या किसी अन्य दिन किसी भी गाय या बछड़े का वध न हो। उच्च न्यायालय का आदेश 1976 के

एक आदेश पर आधारित था, जिसमें दूध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के हित में गायों के वध पर प्रतिबंध लगाया गया था। अपनी याचिका में राज्य सरकार ने इस आदेश को तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के विपरीत बताया।

बढ़ेगा जांच का दायरा

श्रीराम मंदिर मामले की जांच के लिए एसआईटी को मिला अब 15 दिन का अतिरिक्त और समय..

अयोध्या। श्रीराम मंदिर चढ़ावा गबन मामले में एसआईटी को जांच के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दे दिया गया है. मामले में जांच का दायरा अब और बढ़ सकता है. एसआईटी को कई नए बिंदुओं, दस्तावेजों और संदिग्ध भूमिकाओं की पड़ताल के लिए अतिरिक्त मोहलत दे दी गई है. इधर मामले में 8 आरोपियों की न्यायिक अभिरक्षा भी बीते दिनों बढ़ा दी गई है. आरोपियों की 13 जुलाई तक रिमांड बढ़ा दी गई है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में सभी आरोपी पेश किए गए. इस मामले में बृहस्पतिवार को सभी 8 आरोपियों के खिलाफ एफ्आइआर दर्ज हुई थी. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था. नामजद आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पाण्डेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और श्री राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू के नाम शामिल हैं. पुलिस सभी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. जिसमें कई बड़े खुलासे हुए हैं. इसी कड़ी में आरोपियों के घर पर भी दबिश दी जा चुकी है. मामले

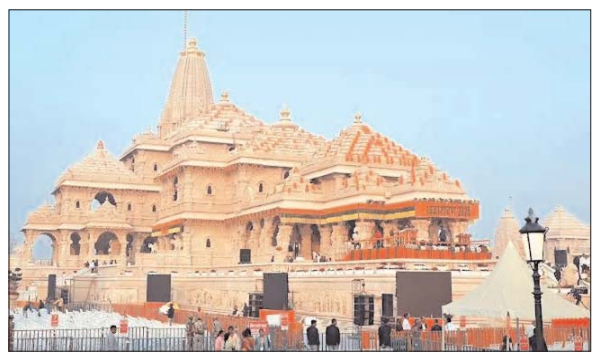

में और भी खुलासे हो सकते हैं. छुट्टियांव मौसमी आयोजन सपा के पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने 7 जून को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया था. उन्होंने आरोप लगाया कि 5 से 7.5 करोड़ रुपये की चोरी की थी. इसके बाद 8 जून सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कोर्ट से स्वत: संज्ञान लेने की अपील की. 9 जून को भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखकर मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की. 9 जून को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की. चढ़ावे की राशि, गिनती और लेखा-जोखा पर चर्चा की. 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले पर रिपोर्ट मांगी ली. दूसरी तरफ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सभी आरोप खारिज किए. 11 जून को मंदिर के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह का बयान सामने आया.

अमेरिकी राष्ट्रपति का आदेश रद्द किया

यूएस बर्थराइट सिटीजनशिप कानून बरकरार-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

यूएस 'बर्थराइट सिटी जनशिप' यानी जन्मजात नागरिकता कानून पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से इनकार किया गया था। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा जन्म से अमेरिकी नागरिक होगा, चाहे उसके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे हों या फिर

अस्थायी वीजा पर आए हों। यह फैसला दुनिया भर से अमेरिका जाकर बसने वाले लाखों प्रवासियों, खासकर भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए राहत वाली खबर है। बता दें कि अमेरिका में पिछले 158 साल से यह व्यवस्था लागू है कि वहां जन्म लेने वाला हर बच्चा अपने जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिक बन जाता है। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में अमेरिका में बढ़ रहे प्रवासियों की संख्या को देखते हुए 20 जनवरी 2025 को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। मामला संघीय (फेडरल) जिला अदालतों तक पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस आदेश पर संघीय (फेडरल) जिला अदालतों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी थी।

खंडवा में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत, गांव में पसरा मातम

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना के बाद गांव में मातम छा गया है। पहली घटना खंडवा के ग्राम देवला माफी की है, जहां किसान रघुवीर पिता छगनलाल, उम्र 42 वर्ष, अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। तभी अचानक बारिश होने लगी और आकाशीय बिजली गिरने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल मुंदी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया । सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

सांसद महुआ मोइत्रा पर अंडे-पत्थरों से हमला ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता जाते ही पार्टी नेताओं पर भीड़ हमला बढ़ा गया है। इस दौरान भीड़ द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर अंडे भी फेके गए। ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, कुणाल घोष जैसे नेताओं के बाद इस कड़ी में सांसद महुआ मोइत्रा का भी नाम जुड़ गया। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर भीड़ द्वारा अंडे और पत्थरों से हमला करने का एक वीडियो साझा किया है। इसमें मोइत्रा ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए

कहा कि घटना के समय राज्य पुलिस मूकदर्शक बन कर खड़ी रही। इस मामले को लेकर पश्चिम बंगाल के डीजीपी समेत कई अधिकारियों को कॉल कर चुकी हूं, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। बंगाल में सांसद के ऐसे समय पर यह घटना घटी है, जब एक दिन पहले ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से अंडे से हमले करने की घटना पर रिपोर्ट मांगी है। महुआ मोइत्रा ने हमलावरों को भाजपा के गुंडे बताए हैं। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर हमले का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि ये कोई अचानक भड़के हुए लोगों का गुस्सा नहीं है। ये बीजेपी के सुनियोजित हमले हैं। बीजेपी के झंडे देखिए। महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर पश्चिम बंगाल डीजीपी और बंगाल पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट साझा किया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा!

बस और ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग,जिंदा जले 8 यात्री

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक भीषण सड़क हादसे से हड़कंप मच गया। यहां ट्रक और बस में जोरदार टक्कर हो गई। भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई और 32 यात्री घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कई और लोगों की मौत होने की संभावना जताई जा रही है। यह भीषण हादसा राजस्थान दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ। कोलवा पुलिस स्टेशन इलाके में हरिद्वार से इंदौर जा रही एक बस का कंट्रोल बिगड़ गया और वह एक ट्रेलर से टकराकर आग की चपेट में आ गई, जिससे 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही दौसा और बांदीकुई से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया, जबकि पुलिस ने बचाव और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जांच चल रही है। दौसा जिले के कोलवा पुलिस स्टेशन इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में सड़क हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी में एडिशनल एसपी योगेंद्र फौजदार ने बताया, इंदौर से हरिद्वार जा रही एक बस दिल्ली हाईवे पर एक रेस्ट एरिया के पास भीषण हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 2 यात्रियों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। एसपी और

अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। बस में आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया, यह हंस ट्रैवल्स इंदौर की स्लीपर बस थी। दूसरी गाड़ी एक खाली ट्रक था। दोनों गाड़ियां सड़क के सीधे हिस्से पर चल रही थीं। छह लोगों की मौत जलने से हुई, जबकि दो अन्य की मौत सिर में चोट लगने से हुई। बाकी घायलों की हालत स्थिर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दौसा में बस और ट्रक की टक्कर की सूचना मिलते ही कांग्रेस सांसद मुरारी लाल मीणा भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन लोगों की आत्माओं को शांति दें जिन्होंने अपनी जान गंवाई है और उनके परिवारों को हिम्मत दें। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, आठ लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य घायल हुए हैं और कई लोगों का दौसा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए, सरकार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर होने वाली दुर्घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने के लिए एक समिति बनानी चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा पंजाब में ट्रैवलर-ट्रक भिड़ंत में 4 की मौत

पंजाब के बठिंडा जिले से एक दर्दनाक घटना की खबर सामने आ रही है। यह हादसा आज यानी बुधवार की सुबह हुआ है। यह घटना तब हुई जब कुछ यात्री अमरनाथ की यात्रा के लिए जा रहे थे। इस सड़क हादसे में चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। सभी घायलों को इलाज के लिए पास के एम्स मे भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने मीडिया से हुई बातचीत में बताया कि यह हादसा बठिंडा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह के समय हुआ, जहां राजस्थान से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे यात्रियों की गाड़ी एक ट्रक से टकरा गई और बता दें, कि सभी श्रद्धालु एक ट्रैवलर गाड़ी में सवार थे। यह हादसा इतना भीषण था, कि ट्रैवलर गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सहकारिता की पहल से बेमेतरा में खेती को मिली नई उड़ान, ड्रोन से 7 मिनट में हुआ एक एकड़ में उर्वरक छिड़काव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सहकारी सप्ताह के तृतीय दिवस पर केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बेमेतरा जिले में किसानों को ड्रोन तकनीक के माध्यम से उर्वरक छिड़काव का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए खेती को अधिक लाभकारी, सुरक्षित और लागत प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम में ड्रोन के जरिए खेतों में उर्वरक छिड़काव का लाइव प्रदर्शन किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि पारंपरिक तरीके की तुलना में ड्रोन से छिड़काव तेज, सटीक और समान रूप से होता है। इससे उर्वरक की बर्बादी कम होती है, श्रम और समय की बचत होती है तथा किसानों की उत्पादन लागत में भी कमी आती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार ड्रोन तकनीक से फसलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। साथ ही किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के सीधे संपर्क से बचाव मिलता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी कम होते हैं। कृषक सदस्य विजय पटेल और कमल पटेल ने बताया कि वे पिछले पाँच वर्षों से आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करते हुए सब्जी, फूल एवं अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के सहयोग से अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का लाभ मिल रहा है। ड्रोन के माध्यम से मात्र 7 मिनट में एक एकड़ क्षेत्र में उर्वरक का छिड़काव पूरा हो जाता है, जिससे समय और लागत दोनों में उल्लेखनीय बचत हो रही है। उन्होंने इसे किसानों के लिए बेहद उपयोगी तकनीक बताते हुए कहा कि इससे खेती अधिक लाभदायक बन रही है। इस अवसर पर सहायक पंजीयक ए. के. सिंह, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक विनय कुमार जेहोआश, महेंद्र कुमार टेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी संदीप वर्मा, सहकारी निरीक्षक पल्लवी मेश्राम, रूपिका यादव, कृषि विभाग के आरईओ राजेश वर्मा, मार्केटिंग प्रबंधक संजय ठाकुर, समिति प्रबंधक उत्तरा टंडन, विनोद कुमार साहू, हरीश कुमार साहू, ड्रोन ऑपरेटर लोकेश साहू, पूरन निर्मलकर, मंशा साहू, हरीश वर्मा, प्रिंस राजपूत सहित बड़ी संख्या में किसान एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग की यह पहल जिले में आधुनिक एवं तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के साथ-साथ कृषि कार्यों में नई तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

ग्राम झिरिया में संपन्न हुआ पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण

नवागढ़/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक अभियान के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण का आयोजन नवागढ़ विधानसभा के बालसमुंद मंडल अंतर्गत ग्राम झिरिया में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम छत्तीसगढ़ रजककार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष माननीय श्री प्रहलाद रजक के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं को सरल ऐप के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक गतिविधियों, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पार्टी के महापुरुषों के जीवन एवं योगदान की जानकारी वीडियो, प्रश्नोत्तरी एवं पीडीएफ सामग्री के माध्यम से दी गई। प्रशिक्षण के उपरांत सभी कार्यकर्ताओं ने ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किए। मुख्य अतिथि माननीय प्रहलाद रजक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का प्रभावी साधन है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से नियमित रूप से ऐप का उपयोग कर स्वयं को अपडेट रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर नवागढ़ विधानसभा संयोजक एवं प्रशिक्षक आशीष जैन ने कहा कि आज के डिजिटल युग में प्रत्येक कार्यकर्ता का तकनीकी रूप से दक्ष होना अत्यंत आवश्यक है। सरल ऐप के माध्यम से कार्यकर्ता संगठन की गतिविधियों से निरंतर जुड़े रहेंगे तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष, हेमेंद्र वैष्णव, संजयराम वर्मा, मंडल महामंत्री राहुल शर्मा, मंडल महामंत्री संतोष साहू, लव सोनी, वीरेंद्र जायसवाल ,अजय सिन्हा,भगवत साहू, अंकुर साहू, केवल साहू, निर्मल साहू,गया राम पाल, सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी कार्यकर्ताओं के डिजिटल रूप से सशक्त संगठन निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

जनसैलाब के बीच मना खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल का जन्मदिन, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दी शुभकामनाएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल का जन्मदिन बीते बुधवार को उनके निवास पर जनआशीर्वाद और उत्साह के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और समर्थक उनके निवास पहुंचे तथा पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और शुभकामनाओं के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी मंत्री दयाल दास बघेल के निवास पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया, केक खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने मंत्री बघेल के जनसेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की।

दिनभर मंत्री निवास पर समर्थकों और शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। लोगों ने मंत्री बघेल के प्रति अपना स्नेह, विश्वास और सम्मान व्यक्त करते हुए उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं निरंतर जनसेवा की कामना की। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने जन्मदिन समारोह को जनआशीर्वाद के उत्सव में बदल दिया। पूरे परिसर में उत्साह, आत्मीयता और उल्लास का वातावरण बना रहा, जहां जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक ने मंत्री दयाल दास बघेल को जन्मदिन की बधाई देकर उनके प्रति अपना समर्थन और शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

सोमनाथ के गौरवशाली इतिहास से रूबरू हुए छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु साथ में लेजर शो ने मंत्र मुग्ध कर दिया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार की सोमनाथ सांस्कृतिक तीर्थ यात्रा के अंतर्गत गुजरात पहुंचे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं ने प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान के दर्शन के साथ साथ मंदिर परिसर मे आयोजित भव्य लेजर शो का भी अवलोकन किया आधुनिक तकनीकी और आकर्षक प्रभाव से सुसज्जित ईस प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, धार्मिक महत्त्व और सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया, लेज़र शो मे सोमनाथ मंदिर के प्राचीन वैभव विदेशी आक्रांताओं द्वारा विभिन्न काल खंडों मे किये गये विध्वंस तथा भारतीय समाज और शासकों द्वारा उसकी पुनर्निमाण की प्रेरणा दायक गाथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। शो के माध्यम से श्रद्धालुओं ने जाना कि सोमनाथ मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति,सनातन परंपरा और अटूट आत्म विश्वास का प्रतीक है। वेरावल स्टेशन पहुंचते ही सभी 1300 तीर्थ यात्रियों का स्थानीय प्रशासन द्वारा गुजराती परंपरा और वेशभूषा से स्वागत किया तत्पश्चात विभिन्न मंदिरों के दर्शन के बाद संध्या बेला में सोमनाथ भगवान का दर्शन और सभी को सामुहिक आरती में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला जो जीवन भर याद रहने वाला अनुभव है। उक्त कार्यक्रम मे अहिवारा विधायक कोर्सेवारा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम अध्यक्ष मोना सेन,पद्मश्री राधेश्याम बारले, पद्मश्री उषा बारले पंडवानी गायिका,प्रसिद्ध गायिका, कविता वासनिक एवं रजनी रजक,सहित अनेकों कलाकार सम्मिलित हुए। साथ में संस्कृति विभाग के संचालक संजय कन्नौजे,और अधिकारी युगल तिवारी सहित अनेकों अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। बेमेतरा जिला से भी 30 से अधिक कवि साहित्यकार, कलाकार एवं जन प्रतिनिधि सोमनाथ यात्रा में सम्मिलित हुए। गुजरात के सोमनाथ यात्रा में भी बेमेतरा जिला से 30 से अधिक कवि साहित्यकार, कलाकार एवं जनप्रतिनिधि सम्मिलित हुए सभी यात्रियों की खुशी देखते ही बनती थी कवि गण अपनी कविता पाठ कर रहे थे तो कोई बाजा गाजा के साथ गाना गा रहे थे कोई नृत्य करते तो कहीं हंसी की ठहाका लगते तो कोई श्रोता बन कर आनंद उठाते हर तरफ वातावरण संगीतमय से गुंजायमान हो रहा था समय का पता ही नहीं चल पाया ऐसा लग रहा था जैसे पूरी गाड़ी मे केवल हमारा ही परिवार है वहीं सरकार द्वारा जो यात्रियों के लिए व्यवस्था किये गये थे वो काबिले तारीफ था स्वर्ग जैसा आनन्द प्रतीत हो रहा था सभी तीर्थयात्रियों ने छत्तीसगढ़ सरकार को तथा बेमेतरा के विधायक दीपक साहु और संस्कृति विभाग को खुब धन्यवाद दिये। बेमेतरा जिला से हास्य-व्यंग्य कवि रामानन्द त्रिपाठी, गीतकार डा.गोकुल बंजारे चन्दन,भुवन दास जांगड़े, हृदय राम वर्मा, नारायण वर्मा,विशाल सिंह धूर्वे,नरेन्द्र कुमार साहु, डा.राजेन्द्र पाटकर, घनश्याम ताम्रकार, रोहित साहु,तामेश्वर साहु, शिवकुमार विश्वकर्मा, रविशंकर अखिल, कन्हैया सेन, प्रहलाद वर्मा,रूपराम यादव, घनश्याम सिंह ठाकुर,भालेश शुक्ला,राम सिंह ठाकुर,केशर दीक्षित बेमेतरा नोडल अधिकारी के रूप में पुरूषोत्तम साहू सहित अनेको लोग सम्मिलित हुए।

खरसियाः दर्रामुड़ा में पुराने जॉब कार्ड वितरण पर उठे सवाल, भाजपा नेता राहुल पटेल ने की कार्रवाई की मांग

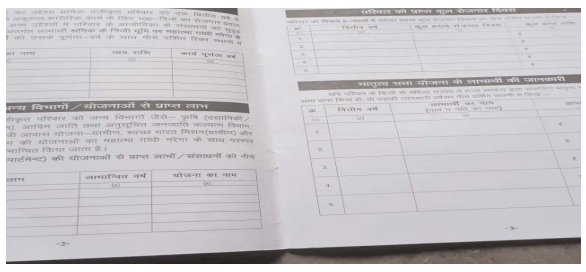

खरसिया/मूक पत्रिका

खरसिया जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत जॉब कार्ड वितरण को लेकर विवाद सामने आया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत में पात्र हितग्राहियों को नए जॉब कार्ड जारी करने के बजाय पुराने जॉब कार्ड वितरित किए गए। कई हितग्राहियों के पुराने जॉब कार्ड में नाम, आवश्यक विवरण एवं अन्य प्रविष्टियां तक दर्ज नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें नया जॉब कार्ड मिलना चाहिए था, लेकिन रोजगार सहायक, सरपंच और सचिव द्वारा ऐसा नहीं किया गया। इस मामले को लेकर भाजपा नेता राहुल पटेल ने आवाज उठाते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार नए एवं पूर्ण रूप से भरे हुए जॉब कार्ड उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुराने और अपूर्ण जॉब कार्ड वितरित करना हितग्राहियों के अधिकारों के साथ अन्याय है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई करने तथा सभी पात्र हितग्राहियों को सही जॉब कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। हालांकि, इस संबंध में ग्राम पंचायत या संबंधित अधिकारियों का पक्ष अभी सामने नहीं आया है।

सहकारिता सप्ताहः हसदा समिति में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बेमेतरा/हसदा/मूक पत्रिका

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित हसदा (पंजीयन क्रमांक 2033) में बुधवार को वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ ÷सहकार से समृद्धि÷ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष प्रकाश वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और आपसी सहयोग से ही गांवों का सर्वांगीण विकास एवं समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर प्रभारी प्रबंधक देवलाल सिन्हा ने सहकारी समिति की उपविधियों का वाचन करते हुए सदस्यों को सहकारी नियमों, अधिकारों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। कार्यक्रम में कमल साहू, सुरेश साहू, लेखराम साहू, भरत साहू, सेवाराम साहू, भप्पी वर्मा, शत्रुघ्न पाल, गंगाराम यादव, संतोष यादव, भकला निर्मल सहित बड़ी संख्या में किसान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि ÷सहकार से समृद्धि÷ अभियान के प्रथम चरण के तहत 29 जून को सहकारी ध्वजारोहण के साथ सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ किया गया था। कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर किया गया।

बुजुर्ग महिला से 3.20 तोला सोने की चेन लूटने वाला आरोपी और खरीददार गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के थानखम्हरिया पुलिस ने बुजुर्ग महिला से सोने की चेन लूटने के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित लूट की संपत्ति खरीदने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 3 तोला 20 मिलीग्राम वजनी सोने की चेन, जिसकी कीमत लगभग 3.60 लाख रुपये है, बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार ग्राम गडुवा निवासी 70 वर्षीय पार्वती लोधी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 30 जून की दोपहर वह अपने घर की बाड़ी में नहा रही थीं। इसी दौरान गांव का युवक भुलउ सेन घर पहुंचा और हाथ धोने के लिए पानी मांगा। पानी देने के बाद आरोपी ने महिला के मुंह पर कपड़ा फेंक दिया तथा सिर और पीठ पर हमला कर उन्हें गिरा दिया। महिला के कुछ समय के लिए अचेत होने पर आरोपी उनके गले से करीब तीन तोला सोने की चेन लूटकर फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव एवं एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक ओंकार साहू के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी आनंद सेन उर्फ भुलउ (19) निवासी गडुवा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि लूटी गई सोने की चेन को देवरबीजा निवासी धर्मेन्द्र निर्मलकर के पास 5 हजार रुपये में गिरवी रखा था और मिली रकम दोस्तों के साथ खाने-पीने में खर्च कर दी। जांच में लूट की संपत्ति खरीदने के आरोप में धर्मेन्द्र निर्मलकर (18) को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर करीब 3.60 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन बरामद कर ली। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक ओंकार साहू, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुरेश चौहान तथा आरक्षक अशरफी खान, बलदेव निषाद, मुकेश चंद्रवंशी सहित थाना खम्हरिया पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधायक दीपेश साहू ने सेन समाज भवन निर्माण के लिए कुसमी में 10 लाख रुपए देने की घोषणा की

ढोड़हीपार सेन समाज धमधा राज का ऐतिहासिक सम्मेलन सम्पन्न

समाज की एकता, संस्कार और संगठन से ही विकास का मार्ग प्रशस्त होता है – विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ढोड़हीपार सेन समाज धमधा राज (बेरला-कुसमी परिक्षेत्र) द्वारा आयोजित सेन समाज का भव्य एवं ऐतिहासिक सम्मेलन गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में सामाजिकजन उपस्थित रहे। सम्मेलन का आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ किया गया। इस दौरान समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं ने समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता और संगठन है। यदि समाज संगठित होकर आगे बढ़ेगा तो निश्चित रूप से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सेन समाज का इतिहास सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा हुआ है। संत शिरोमणि सेन जी महाराज ने मानव सेवा, कर्म और समानता का संदेश दिया, जो आज भी पूरे समाज के लिए प्रेरणा का आधार है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, संस्कार और मजबूत संगठन से होती है। हमें अपनी मूल जड़ों को मजबूत करना होगा। जब समाज शिक्षा, संस्कार और आपसी सहयोग के साथ आगे बढ़ेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों को बेहतर दिशा मिलेगी। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि ढेहीपार देशहा सेन समाज की जनसंख्या और क्षमता काफी अधिक है। आवश्यकता है कि सभी सामाजिक बंधु एकजुट होकर समाज के विकास में सहभागी बनें। संगठन की शक्ति से ही समाज अपनी समस्याओं का समाधान कर सकता है और नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा कुसमी में सेन समाज भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपए सहयोग की मांग रखी गई। विधायक दीपेश साहू ने समाज की आवश्यकता एवं भावना को देखते हुए तत्काल 10 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह भवन समाज के सामाजिक कार्यक्रमों, बैठक, युवा एवं आने वाली पीढ़ी के मार्गदर्शन का केंद्र बनेगा। विधायक ने निषाद समाज सहित क्षेत्र के सभी समाजों के सहयोग और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेमेतरा विधानसभा के विकास में सभी समाजों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जनता के विश्वास और सहयोग से ही क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि सभी समाजों को साथ लेकर क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। सम्मेलन में उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि हमें पहले अपनी मूल जड़ों को मजबूत करना होगा और इसके बाद सर्व नाई सेन समाज के व्यापक संगठन को मजबूत करते हुए समाज को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करना होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक बेमेतरा अवधेश सिंह चंदेल, जिला पंचायत सभापति प्रीतम चंदेल, प्रदेश रजककार बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, प्रदेश अध्यक्ष सेन समाज हीराधर सेन, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सेन, विधायक प्रतिनिधि एवं समाजसेवी लक्ष्मी नारायण सेन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संरक्षक भूपेंद्र शंकर सेन, प्रदेश महासचिव महिला प्रकोष्ठ सरिता सेन, संगठन सचिव विद्या सेन, युवा मोर्चा प्रदेश सचिव कपिल सेन, राजिम महासभा अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सेन, परपोड़ी-साजा राज पदाधिकारी रवि सेन एवं राजू सेन, अभन सेन बेमेतरा, भगवतराम सेन कवर्धा, महेन्द्र सेन, मुकुत राम सेन, जिला अध्यक्ष सर्व सेन नाई समाज बेमेतरा छल्ली सेन, विजय सेन, महादेव सेन, निखिल सेन, मंजु सेन एवं गीता सेन सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे। सम्मेलन के सफ ल आयोजन में अध्यक्ष दीनानाथ सेन, उपाध्यक्ष ऋषि सेन, लोमेश कुमार सेन, कन्हैया सेन, मोहन सेन सहित समाज के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर सेन समाज ने सामाजिक एकता, संगठन और समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली धरमदास की जिंदगी : भोईनाभाटा के हितग्राही को मिला पक्का आशियाना, हितग्राही ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अपना पक्का घर हर परिवार का सपना होता है, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सपना अक्सर अधूरा रह जाता है। शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ऐसे ही जरूरतमंद परिवारों के सपनों को साकार कर रही है। जिले के ग्राम भोईनाभाटा निवासी हितग्राही धरमदास की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जिनके जीवन में इस योजना ने खुशियों की नई रोशनी भर दी है। धरमदास ने बताया कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बरसात के दिनों में छत टपकती थी, दीवारों में सीलन आ जाती थी और तेज हवा या बारिश के समय पूरे परिवार को सुरक्षा की चिंता बनी रहती थी। सीमित आय के कारण स्वयं के संसाधनों से पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत धरमदास का चयन होने पर उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत हुई। आवास निर्माण के दौरान उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 90 दिवस का रोजगार भी उपलब्ध कराया गया, जिससे निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग मिला और परिवार की आय में भी वृद्धि हुई। शासन की सहायता और प्रशासन के मार्गदर्शन से आज धरमदास का पक्का एवं सुरक्षित मकान तैयार हो चुका है। अब उनका परिवार सम्मानपूर्वक अपने नए घर में रह रहा है। बरसात, गर्मी और ठंड की चिंता समाप्त हो गई है तथा बच्चों को भी सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिला है। अपने घर का सपना पूरा होने से पूरे परिवार के चेहरे पर संतोष और खुशी साफदिखाई देती है। धरमदास ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके परिवार को नई पहचान और सम्मान दिया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस पहल ने उनके जीवन की सबसे बड़ी चिंता दूर कर दी। उन्होंने कहा कि यदि यह योजना नहीं होती तो शायद पक्का घर बनाना उनके लिए वर्षों तक संभव नहीं हो पाता। जिला प्रशासन द्वारा पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जिले के अनेक जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो रहे हैं। यह योजना केवल पक्का मकान ही नहीं दे रही, बल्कि गरीब परिवारों को सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी प्रदान कर रही है।

एनएच से जोड़कर बनाई एप्रोच रोड, दो साल पहले दिए थे नोटिस, राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे हुए अवैध निर्माणों पर ध्यान नहीं, अभी निर्माण की मिल रही अनुमति

रायगढ़/मूक पत्रिका

सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद भी अब तक कमेटी का गठन नहीं हो सका है। दरअसल अतिक्रमण हटाने के लिए कई रसूखदार कारोबारियों की दुकानें, कॉम्पलेक्स, ढाबे हटाने होंगे। इसके लिए कोई तैयार नहीं है। एनएच उपसंभाग ने दो साल पहले भी ऐसे लोगों को नोटिस दिए थे जिन्होंने एनएच की सीमा में निर्माण कर लिए थे। लेकिन सामंजस्य के अभाव से समस्या का निराकरण नहीं हो सका। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने कुछ कार्रवाई शुरू की है। अदालत ने एनएच किनारे के अतिक्रमण पर कार्रवाई का आदेश दिया है। अब एक कमेटी बनाकर कार्रवाई की जानी है, जिसका आदेश नहीं हुआ है। इधर एनएच उपसंभाग ने दो साल पहले भी कई लोगों को अवैध निर्माण पर नोटिस दिए थे। ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपने मकान, दुकान, कॉम्पलेक्स तक पहुंच मार्ग बनाकर एनएच से जोड़ दिया है। एनएच की सीमा के अंदर निर्माण किए गए हैं। एनएच 49 में ऐसे सौ से अधिक लोगों को नोटिस दिए गए थे। इस पर कोई कार्रवाई इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि तब भी कोई एक्शन कमेटी का गठन नहीं हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक निजी संपत्तियों जैसे पेट्रोल पंप, दुकान, मकान, गोदाम में प्रवेश मार्ग के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्रशासक से अनुमति लिया जाना अनिवार्य है, जिन्होंने अनुमति लिए बिना ही निर्माण कर लिया है, उनकी रोड को हटाया जाना है। इस नोटिस के बाद भी एक कमेटी का गठन होना था। टीम जाकर कार्रवाई करती, लेकिन दो साल से इन नोटिस पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। अब सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ गया है।

यहां निर्माण की दे रहे अनुमति

एनएच का काफी हिस्सा नगर निगम के अंतर्गत आता है। यहां निर्माण अनुज्ञा देने के पूर्व देखा नहीं जाता कि एनएच से दूरी कितनी है। यही कारण है कि कई लोगों ने अपने बाउंड्रीवॉल, भवन, शोरूम आदि को एनएच से सटाकर बना लिए हैं। रसूखदार कारोबारियों पर कार्रवाई करने में परेशानी होगी इसीलिए कोई कमेटी नहीं बनाई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि एनएच के बीच से 40 मीटर के दायरे में भूमि को आवासीय उपयोग और 75 मीटर तक कमर्शियल यूज पर प्रतिबंध होगा।

20 लाख 25 हडार का संदिग्ध स्क्रैप लदा ट्रक जब्त, 7.5 टन लोहे का स्क्रैप बिना वैध दस्तावेज परिवहन करते ट्रक चालक पर कार्रवाई

चोरी की संपत्ति होने के संदेह पर ट्रक सहित स्क्रैप जब्त, चालक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

अवैध कबाड़ कारोबार और चोरी की संपत्ति के नेटवर्क पर रायगढ़ पुलिस लगातार प्रहार कर रही है। – एसएसपी शशि मोहन सिंह

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में संचालित ÷ऑपरेशन प्रहार÷ के तहत अवैध कबाड़ एवं चोरी की संपत्ति के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 30 जून 2026 को थाना पूंजीपथरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.500 टन संदिग्ध लोहे का स्क्रैप एवं उसे परिवहन कर रहे 12 चक्का टाटा ट्रक को जब्त कर चालक के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

मुखबिर की सूचना पर तमनार चौक में घेराबंदी–थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक रामकिंकर यादव को सूचना मिली थी कि कुनकुरी से एक 12 चक्का ट्रक में भारी मात्रा में लोहे का स्क्रैप लोड कर पूंजीपथरा की ओर लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तमनार चौक, पूंजीपथरा में घेराबंदी कर संदिग्ध टाटा ट्रक क्रमांक छत्त-14-ष्ठ-0528 को रोककर जांच की।

कबीर साहब प्रकटोत्सव पर बस्तर के 12 स्थानों पर भंडारे, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

जगदलपुर/मूक पत्रिका

सदुरु कबीर साहब के प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में कबीर पंथ के अनुयायियों ने कबीर पंथ के 16वें वंशाचार्य पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहब जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से 29 जून को बस्तर जिले के विभिन्न तहसीलों के 12 स्थानों पर भव्य भंडारा एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। विकासखंड बस्तर के ग्राम सालेमेटा-1 में दर्जनों गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली तथा भजन-कीर्तन के साथ सदुरु कबीर साहब के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया। महंत फूलदास ने अपने प्रवचन में जीव दया, आत्म पूजा और जनसेवा का संदेश देते हुए कबीर साहब के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इसके बाद सात्विक यज्ञ, चौका आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसी प्रकार केशरपाल, करन्दोला, भानपुरी, कावड़गांव, घोटिया, चित्रकोट, बेड़ागुड़ा, तेतरखुठी (जगदलपुर) तथा मटनार के पनकापारा सहित अन्य स्थानों पर भी कबीर पंथ अनुयायियों ने भजन-कीर्तन, आरती और सत्संग का आयोजन किया। श्रद्धालुओं को खीर-पूड़ी सहित महाप्रसाद वितरित किया गया तथा कबीर साहब के साखी और शब्दों के माध्यम से सामाजिक समरसता, मानवता और सदाचार का संदेश दिया गया। जगदलपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक ग्राम माड़पाल स्थित सदुरु कबीर कुटी में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं जिला पंचायत प्रतिनिधि श्रीमती शकुंतला कश्यप शामिल हुए। सांसद महेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि सदुरु कबीर साहब ने समाज से आडंबर, कुरीतियों और ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर प्रेम, भाईचारे और अहिंसा का संदेश दिया, जो आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने कबीर कुटी परिसर में बाउंड्रीवाल, शौचालय एवं रसोईघर निर्माण कराने तथा शीघ्र ट्यूबवेल खनन कराने की घोषणा की। उन्होंने आयोजन के लिए 5 हजार रुपये तथा जिला पंचायत प्रतिनिधि श्रीमती शकुंतला कश्यप ने 3 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में सदुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन, एसकेडीव्ही मिशन के जिला, तहसील एवं ग्रामीण प्रतिनिधियों, महंतों, दीवानों, आमीन माता महिला मंडल, सदुरु कबीर नवयुवक मंडल तथा क्षेत्र के संतजनों का विशेष सहयोग रहा।

खबर का असर : रेत के अवैध तस्करी के खिलाफ वन विभाग की कार्रवाई, 12 ट्रेक्टर जब्त

कुरकुट नदी से हो रही थी रेत चोरी, तस्करों ने जंगल के बीच बना लिया था गुप्त रास्ता, वन अपराध का प्रकरण दर्ज, तस्करों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

रायगढ़/ मूक पत्रिका

जिले में रेत के अवैध उत्खनन और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए घरघोड़ा वन परिक्षेत्र में रेत से लदे 12 ट्रैक्टरों को जब्त किया है।

लंबे समय से जंगल के रास्ते अवैध रूप से रेत की निकासी की जा रही थी, जिसकी सूचना मिलने पर वन विभाग ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत बैहामुडा के पास स्थित कुरकुट नदी से बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा था। रेत माफियाओं ने तस्करी के लिए घने जंगल के बीच से एक गुप्त मार्ग तैयार कर लिया था, ताकि मुख्य सड़कों और जांच चौकियों से बचते हुए आसानी से रेत का परिवहन किया जा सके। लंबे समय से इस रास्ते का उपयोग कर अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही वनमंडलाधिकारी अरविंद पी. एम. के निर्देशन, उप वनमंडलाधिकारी घरघोड़ा श्री आशुतोष मांडवा के मार्गदर्शन तथा वनपरीक्षेत्र अधिकारी विक्रांत कुमार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाया।

वन अमले ने जंगल के विभिन्न हिस्सों में घेराबंदी कर दबिश दी और मौके पर बिना वैध अनुमति एवं बिना परिवहन पास के रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करते हुए 12 ट्रैक्टरों को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम को देखकर कई तस्करों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन विभाग ने रेत से लदे सभी ट्रैक्टरों को अपने कब्जे में ले लिया। जब्त किए गए वाहनों को घरघोड़ा वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया है, जहां उनकी जांच और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। वन विभाग ने इस मामले में भारतीय वन अधिनियम के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज कर लिया है और इसमें शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में अवैध खनन, रेत तस्करी और प्राकृतिक संसाधनों की चोरी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वन विभाग की इस कार्रवाई से जिले में सक्रिय रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा तथा वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसंवाद चौपाल में परतापुर पुलिस ने ग्रामीणों को किया जागरूक, साइबर अपराध व नशे के खिलाफ दिलाई शपथ

- अवैध शराब पर कार्रवाई की ग्रामीणों ने की सराहना, पुलिस-जनता समन्वय मजबूत करने पर दिया जोर

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:– कांकेर 01 जुलाई पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में थाना परतापुर पुलिस द्वारा ग्राम परतापुर में जनसंवाद एवं चौपाल कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को कानून, सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार दुबे एवं थाना प्रभारी अभिषेक मोहबिया सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों को बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं को देखते हुए जीवन के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने, साइबर अपराधों से बचाव, अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने तथा गांजा, शराब एवं नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने परतापुर क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया। साथ ही पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु एसआई अमीना, प्रधान आरक्षक उत्तम कुमार मंडल, आरक्षक महावीर सिंह मार्को, संगीत भास्कर, ग्राम परतापुर महिला समूह, गायता एवं करीब 100 ग्रामीण मौजूद रहे।

100 वर्षों की विरासत को मिला सलाम, शताब्दी समारोह में पूर्व शिक्षक व छात्र हुए सम्मानित

कांकेर की ऐतिहासिक प्रैक्टिसिंग प्राथमिक शाला का शताब्दी महोत्सव, नवप्रवेशी बच्चों का हुआ भव्य स्वागत

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:– उत्तर बस्तर कांकेर 01 जुलाई 2026 शासकीय प्रैक्टिसिंग प्राथमिक पाठशाला कांकेर के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज शताब्दी समारोह-2026 एवं शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि विद्यालय के 100 वर्ष पूर्ण होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अच्छा व्यवहार और नैतिक मूल्यों की जानकारी देना भी आवश्यक है। विद्यालय में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही। शासकीय प्रैक्टिसिंग प्राथमिक शाला कांकेर में कक्षा पहली से तीसरी तक अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं प्रारंभहोने की जानकारी भी उनके द्वारा दी गई। कार्यक्रम को हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत एवं नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने भी संबोधित किया। उन्होंने विद्यालय के गौरवशाली इतिहास और शिक्षा के क्षेत्र में इसके योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक नेताम द्वारा नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। वहीं कक्षा 9वीं की छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल प्रदान की गई। विधायक नेताम द्वारा भूतपूर्व शिक्षकों को साल एवं श्रीफल से सम्मानित भी किया गया।

शताब्दी समारोह में विद्यालय के ऐतिहासिक सफर को याद करते हुए बताया गया कि वर्ष 1926 में स्थापित यह संस्था कांकेर की शिक्षा यात्रा का एक महत्वपूर्ण केंद्र रही है। उस समय जब क्षेत्र में सीमित संसाधन थे, बैलगाड़ी, कच्ची सड़कें और लालटेन का दौर था, तब इस विद्यालय की स्थापना शिक्षा की नई उम्मीद के रूप में हुई थी। प्रैक्टिसिंग प्राथमिक पाठशाला नाम मिलने का कारण भी इसकी विशेष भूमिका रही है। यह विद्यालय केवल बच्चों की शिक्षा का केंद्र नहीं था, बल्कि भावी शिक्षकों के प्रशिक्षण की प्रयोगशाला भी रहा। यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाने का अभ्यास करते थे और अनुभवी शिक्षक उनके शिक्षण कौशल का मूल्यांकन करते थे। वर्ष 1926 से 1950 तक विद्यालय ने अनेक चुनौतियों के बीच शिक्षा की अलख जगाई। खपरैल की छत, चूने से पुती दीवारें, टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ाई और खड़िया से लिखे जाने वाले पाठ आज भी विद्यालय के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा हैं। समय के साथ विद्यालय ने आधुनिक सुविधाओं को अपनाया, खपरैल की जगह पक्की छत और टाट-पट्टी की जगह बेंच ने ले ली, लेकिन शिक्षा और संस्कार देने की परंपरा आज भी कायम है। विद्यालय की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया गया कि इस संस्था से अब तक एक लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं, वहीं 500 से अधिक शिक्षकों ने यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत की है। यह विद्यालय तीन पीढ़ियों-दादा, पिता और बेटे की शिक्षा का साक्षी रहा है। शताब्दी समारोह ने विद्यालय के स्वर्णिम इतिहास, शिक्षकों के योगदान और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को याद करते हुए नई पीढ़ी को शिक्षा एवं संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सेवानिवृत्त प्रधानपाठक नरेन्द्र सिंह ठाकुर, पूर्व छात्र गोकुश जोशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष उत्तम यादव, वार्ड पार्षद मतीन खान एवं पार्षदगण, प्रधानपाठक प्राथमिक शाला तुफैल अहमद, माध्यमिक शाला शांतनु कलिहारी, हाई स्कूल प्रतुल विश्वास सहित विद्यालय के पूर्व शिक्षक, पूर्व विद्यार्थी, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, पालकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। शताब्दी समारोह का मंच संचालन शिक्षक कुशलानंद गजबल्ला, संजीत श्रीवास्तव, लोकेश्वर साहू द्वारा किया गया।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सवाल, दस्तावेजों की कमी से क्या छिन गया मताधिकार?

विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा।अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है।सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही।विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया। सवाल यह भी है कि क्या इन लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए आगे कोई मौका दिया जाएगा, या फिर वे हमेशा के लिए मताधिकार से वंचित हो गए हैं।इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची का समय-समय पर संशोधन जरूरी है, ताकि जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पंजीकरण कराया है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। मगर यह चिंताजनक है कि अभी कुछ राज्यों में ही एसआइआर की प्रक्रिया पूरी हुई है और करीब छह करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो गए हैं, तो देश भर में ऐसे लोगों की संख्या कितनी हो जाएगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।सूची से बाहर किए गए लोगों को अब अपनी नागरिकता की चिंता भी सताने लगी है, क्योंकि उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर होने का खतरा है। ऐसे में उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र व्यक्ति किसी तकनीकी कारण या समय पर दस्तावेज न जुटा पाने की वजह से मताधिकार से वंचित न रह जाए। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र सही मायने में तभी जिंदा रहता है, जब पात्र नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हों।

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है। वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है।

स्मार्टफोन की चमकीली दुनिया और बेबस होते माता-पिता

(डॉ. नितिन कुलकर्णी)

जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी।

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है।

वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है।तुम अभी तक सोए नहीं? स्वाभाविक रूप से एक थका हुआ, चिंतित सवाल हवा में तैरता है।बस मम्मा, थोड़ा सा बाकी है। अगले पाँच-दस मिनट में पक्का सो रहा हूँ, उधर से रटा-रटाया जवाब आता है।

वे दस मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, कोई नहीं जानता। आखिरकार नींद आ ही जाती है, पर कब? इसका सटीक हिसाब किसी के पास नहीं होता। आज देश-दुनिया के अधिकांश घरों में हर रात यही कहानी दोहराई जा रही है।

अगले दिन फिर वही चक्र चलता है- दिन के ग्यारह या बारह बजे तक सोए रहना, और कई बार टोकने के बाद ही बिस्तर छोड़ना। जब वे आखिरकार उठते हैं, तो एक हाथ में फोन और दूसरे हाथ में कॉफी का कप होता है। शरीर तो जाग जाता है, लेकिन दिन की जो एक प्राकृतिक लय होती है, वह पूरी तरह दम तोड़ चुकी होती है। रात भर जागना, दोपहर में आँखें खोलना, और भोर होने तक लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन को टकटकी लगाकर ताकते रहना ही अब नया नॉर्मल बन गया है।

समय बदलता है, तकनीक आगे बढ़ती है और जीवनशैली उसके अनुसार ढल जाती है। यहाँ तक तो सब ठीक है। लेकिन मानव शरीर की बुनियादी जरूरतें नहीं बदलतीं। मानवीय जिस्म को शारीरिक आराम की दरकार होती है। मन को गहरी, सुकून भरी नींद मिलनी चाहिए। आँखों को अंधेरे की और दिमाग को खुद को दोबारा तरोताजा व व्यवस्थित करने के लिए शांत समय की आवश्यकता होती है।

मगर आज की पीढ़ी मानो अपने ही बायोलॉजी से युद्ध लड़ रही है। उन्हें शायद यह मुगालता हो गया है कि ढेर सारी तकनीक और डेटा के दम पर वे इंसानी शरीर के नियमों को मात दे सकते हैं और अपनी जैविक घड़ी (बायो-रिदम) को ठेंगा दिखा सकते हैं।

जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी। हमारे दिन खेलने, किताबें पढ़ने, गलियों में घूमने और आपस में बातें करने में बीतते थे।

आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते।

इस बदलाव का दुख सिर्फ पुरानी यादों का रोना नहीं है; बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आने वाले कल को लेकर एक सच्ची और गहरी चिंता है।

आज के किशोरों ने वक्त के पहिये को ही उलट दिया है-रात को दिन और दिन को रात बना डाला है। माता-पिता होने के नाते, हम मूकदर्शक बनकर यह सब देखते हैं। शुरुआत में हम टोकते हैं। प्यार से समझाते हैं। फिर, हम इसके बुरे नतीजों से आगाह करने की कोशिश करते हैं। अपनी बातें बार-बार दोहराते हैं। कभी गुस्सा फूटता है, तो कभी हम मिन्नतें करने लगते हैं। लेकिन आज के बच्चों के पास

पलटवार करने के लिए पहले से रिकॉर्डेड जवाबों का एक पूरा तरकश तैयार रहता है-

हमें सब पता है।

आप फालतू में चिंता मत करो।

आजकल सब लोग ऐसा ही करते हैं।

हमारी पीढ़ी की जिंदगी आपसे अलग है।

इन दुत्कार भरे जवाबों को रोज-रोज सुनकर माता-पिता आखिरकार घुटने टेक देते हैं और चुप हो जाते हैं। मगर उनका मन शांत नहीं होता। वे अपने तजुर्बे से जानते हैं कि अगर आप अपने शरीर के साथ खिलवाड़ करेंगे, तो देर-सबेर आपको इसकी भारी कीमत चुकानी ही पड़ेगी। बीस या पच्चीस साल की उम्र में इंसान खुद को अजेय समझता है, लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन नींद की यह लगातार कमी, बेपटरी हो चुकी दिनचर्या, शारीरिक मेहनत से दूरी और स्क्रीन के सामने घंटों गुजारने के ये छोटे-छोटे बीज जो चुपचाप बोए जा रहे हैं; वक्त के साथ, वे पनपते हैं और एक गंभीर शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन घर कर जाता है। एकाग्रता टूटने लगती है। जीवन का उत्साह और ऊर्जा फीकी पड़ जाती है। अपनों से बातचीत का दायरा सिमटने लगता है, आत्मविश्वास डगमगा जाता है, और सबसे दुखद बात यह है कि जिंदगी की छोटी-छोटी मासूम खुशियाँ काफूर होने लगती हैं।

फिर भी, माता-पिता के लिए सबसे बड़ी त्रासदी इन नतीजों को देखना नहीं है; बल्कि यह जानलेवा अहसास है कि वे अब चाहकर भी अपने बच्चों के दिल तक नहीं पहुँच पा रहे हैं, उनसे संवाद के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।

हर पीढ़ी को लगता है कि उनके माता-पिता उन्हें समझ नहीं पाते। लेकिन सच तो यह है कि माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी ही बच्चों को समझने के नाम कर देते हैं। वे एक अबोध बच्चे के रोने की वजह पहचान लेते हैं। वे स्कूल के दिनों की अनकही उलझनों और घबराहट को भांप लेते हैं। वे बच्चे की पहली नाकामी का दर्द खुद महसूस करते हैं और उनके पहले प्यार की धड़कन को पहचानते हैं। यहाँ तक कि जब बच्चे पूरी तरह खामोश होते हैं, तब भी माता-पिता सिर्फ उनका चेहरा देखकर उनके भीतर का हाल पढ़ लेते हैं।

फिर एक दिन ऐसा आता है जब वही बच्चे बड़े हो जाते हैं, और सीधे आँखों में आँखें डालकर कह देते हैं, आप कुछ नहीं समझते !

यह एक जुमला माता-पिता के कलेजे को सबसे गहरा घाव देता है। माता-पिता अपने बच्चों के दुश्मन नहीं होते; वे तो उनके सपनों के सबसे सच्चे और पहले गवाह होते हैं। वे उनकी कामयाबी के लिए सबसे पहले दुआ मांगते हैं और जब बच्चा नाकाम होता है, तो अंदर से टूटने वाले भी वही पहले शख्स होते हैं। वे बच्चों की बीमारी में रात-रात भर जागते हैं और बच्चों की छोटी सी जीत का जश्न खुद की किसी भी कामयाबी से बढ़कर मनाते हैं।

जब कोई माँ या पिता बच्चे को रात भर जागने से मना करते हैं, तो यह उन्हें अपनी उंगलियों पर नचाने या नियंत्रित करने की चाहत नहीं होती। यह विशुद्ध प्यार से जनम लेता है। यह उनके तजुर्बे, फिक्र और एक बेहद निस्वार्थ डर से पैदा होता है किः जो परेशानियां मैंने देखीं, मेरा बच्चा उनसे न जूझे।

लेकिन जब तमाम कोशिशों और अंतहीन बातचीत के बाद भी कुछ नहीं बदलता, तो माता-पिता धीरे-धीरे अपनी एक खामोश दुनिया में सिमट जाते हैं। बच्चे अक्सर इस चुप्पी को उनकी बेरुखी या लापरवाही मान लेते हैं, उन्हें लगता है कि अब मम्मी-पापा को कोई फर्क नहीं पड़ता। मगर हकीकत इसके उलट होती है; वे फिक्र से मरे जा रहे होते हैं। बस, वे इस कड़वे सच को स्वीकार कर चुके होते हैं कि अब शब्दों की ताकत जवाब दे चुकी है, और अब जिंदगी की ठोकरें ही खुद उनकी संतान को सबक सिखाएंगी।

यह चुप्पी कोई हार नहीं है; यह एक बेहद दुखद और लाचार स्वीकारोक्ति है। एक भारी बेबसी। जिस दिन माता-पिता बहस करना बंद कर देते हैं, उस दिन से उनकी चिंताएं कम नहीं होतीं- बल्कि वे और ज्यादा बढ़ जाती हैं। क्योंकि माता-पिता होना एक ऐसी उम्रकैद है, जहाँ बच्चे भले ही पचास साल के हो जाएं, उनके लिए फिक्र कभी खत्म नहीं होती। उम्र के साथ बस डर का स्वरूप बदल जाता है, पर वह दिल से कभी विदा नहीं लेता।

यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आप अपने माता-पिता की हर बात को पत्थर की लकीर मानें। आप उनकी हर राय से पूरी तरह सहमत हों, यह भी आवश्यक नहीं है। आपके अपने विचार होने चाहिए, अपने फैसले खुद लीजिए और अपनी जिंदगी को अपने तरीके से ही जिएं।

लेकिन कभी-कभी, उनकी उस चिड़चिड़ाहट और टोकने की आदत के पीछे छिपे बेइंतहा प्यार को भी महसूस करने की कोशिश कीजिए। क्योंकि जिंदगी के सफर में आगे चलकर एक ऐसा मोड़ जरूर आएगा, जब आपको अचानक उन सभी बातों की अहमियत और वजह समझ में आएगी, जो वे आज कह रहे हैं। और यकीन मानिए, जब वो दिन आएगा, तब आप इस भारी पछतावे के बोझ को नहीं सहना चाहेंगे किः काश ! मैंने उस वक्त उनकी बात मान ली होती, तो कितना अच्छा होता।

आज रात भी, एक माँ आधी रात को उठेगी और अपने बच्चे के कमरे की बत्ती के नीचे से झांकेगी। एक पिता सुबह देर तक सोते हुए अपने नौजवान बेटे या बेटी को निहारेगा और बिना एक शब्द बोले चुपचाप अपने काम पर निकल जाएगा। वे अब न तो कोई बहस करेंगे और न ही गुस्सा जताएंगे। लेकिन उनके अंतर्मन में एक खामोश प्रार्थना लगातार गूंजती रहेगीः

हे ईश्वर, मेरे बच्चों को सलामत रखना, उन्हें अच्छी सेहत और सद्बुद्धि देना। उन्हें खुश रखना। और जो बातें हम उन्हें अपने शब्दों से नहीं समझा पाए, जिंदगी उन्हें वह सबक बड़ी नरमी से और वक्त रहते सिखा दे।

अगर इस कायनात में कोई सचमुच निस्वार्थ और पवित्र प्यार है, तो वह केवल माता-पिता का है। कभी-कभी यह किसी उबाऊ भाषण जैसा लग सकता है। कभी-कभी यह बेजा चिंता या तीखी बहस का रूप ले लेता है। लेकिन कभी-कभी, यही प्यार पूरी शिद्दत के साथ एक मुकम्मल खामोशी के जरिए खुद को बयां करता है। यह ताउम्र रहने वाली फिक्र ही उनके प्यार की सबसे सच्ची जुबान है, और हमेशा रहेगी। (लेखक अपर मुख्य सचिव, राज्यपाल, झारखंड (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन देखता रह गया, हिंद महासागर में भारत ने बना ली मजबूत घेराबंदी

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केवल एक सहभागी शक्ति नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और विकास का सबसे भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। सेशेल्स की स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई यह यात्रा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए जिस प्रकार हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाने की बात कही, वह भारत की दूरदर्शी समुद्री नीति का स्पष्ट संकेत है। भारत ने यह संदेश दिया कि हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक शक्ति संरचना का केंद्र बनने जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में मोदी सरकार की विदेश नीति का आत्मविश्वास और परिपक्वता साफ दिखाई दी। सेशेल्स को भारत ने जिस सम्मान और साझेदारी का भरोसा दिया, उसने यह साबित किया कि नई दिल्ली छोटे देशों को भी बराबरी और सम्मान के साथ साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है। ऐसे में प्रत्यर्पण समझौता और समुद्री सुरक्षा सहयोग भारत की सुरक्षा नीति को मजबूत करने वाला कदम है। इससे भारत को पश्चिमी हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक उपस्थिति और निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत और सेशेल्स की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि भारत ने सेशेल्स को तेज गश्ती पोत, नौकाएं, एंबुलेंस और अन्य उपयोगी वाहन भेंट किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत और सर्वेक्षण पोत का सेशेल्स पहुंचना हिंद महासागर में भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रदर्शन भी था।

साथ ही भारत ने सेशेल्स के लिए एक सौ पचहत्तर मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा कर यह भी दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल रणनीतिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास आधारित साझेदारी पर आधारित है। सामाजिक आवास, शिक्षा, परिवहन, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारत का सहयोग यह दर्शाता है कि नई दिल्ली अपने साझेदार देशों के विकास को अपनी प्राथमिकता मानती है। मोदी सरकार की यही नीति भारत को अन्य वैश्विक शक्तियों से अलग पहचान देती है।

इस यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष डिजिटल और आर्थिक सहयोग भी रहा। भारत और सेशेल्स के बीच स्थानीय मुद्रा में व्यापार, प्रत्यक्ष नौवहन संपर्क और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर हुए समझौते भविष्य की आर्थिक संरचना को बदलने वाले कदम हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक संरचना को सेशेल्स में लागू करने की पहल यह साबित करती है कि भारत अब तकनीकी समाधान देने वाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह मोदी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें तकनीक को जनकल्याण और वैश्विक साझेदारी का आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन और छोटे द्वीपीय देशों की चुनौतियों को जिस मजबूती से उठाया, वह भी भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने साफ कहा कि जिन देशों ने जलवायु संकट पैदा नहीं किया, उन्हें उसका सबसे बड़ा बोझ नहीं उठाना चाहिए। यह बयान विकसित देशों की दोहरी नीतियों पर सीधा प्रहार भी था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी आधारभूत ढांचा गठबंधन और हरित ऊर्जा अभियानों के माध्यम से पहले ही विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सेशेल्स द्वारा भारत की पहल में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि विकासशील देशों के बीच भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को सेशेल्स द्वारा दिया गया ब्लू होराइजन के संरक्षक सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह सम्मान पहली बार किसी नेता को दिया गया और इससे यह संदेश गया कि हिंद महासागर क्षेत्र भारत को एक जिम्मेदार और भरोसेमंद शक्ति के रूप में देखता है। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और समुद्री संसाधनों के संतुलित उपयोग को लेकर भारत की प्रतिबद्धता ने छोटे द्वीपीय देशों में विश्वास पैदा किया है।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह यात्रा चीन की बढ़ती समुद्री सक्रियता के बीच भारत की मजबूत जवाबी रणनीति का हिस्सा भी है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन लगातार बंदरगाह, आधारभूत ढांचे और कर्ज आधारित परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बढ़ाने में लगा है। इसके मुकाबले भारत ने सहयोग, विश्वास और साझा विकास का मॉडल प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि सेशेल्स जैसे देश भारत को केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक साझेदार मानते हैं। मोदी सरकार की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की स्थिति को अभूतपूर्व मजबूती दी है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

(ललित गर्ग)

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। सामाजिकविज्ञान

भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता। यदि हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो नशे के विरुद्ध संघर्ष को जनांदोलन का स्वरूप देना होगा। यही इस दिवस का मूल संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की अनिवार्य शर्त भी। लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है।

शिव शक्ति स्टील व साई गणेश ट्रेडिंग कंपनी के खिलाफ श्रम न्यायालय में परिवाद दाखिल

प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की जांच तेज

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में औद्योगिक सुरक्षा, श्रमिक हितों और पर्यावरणीय मानकों के पालन को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रवैया अपनाते हुए औद्योगिक इकाइयों की जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने जिले की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं और नियमों के अनुपालन का जायजा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसीलदार रायगढ़, उप संचालक औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, सहायक संचालक उद्योग विभाग तथा पर्यावरण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने (इमुल टेक) और (रिजेनेसिस इंडस्ट्रीज़) समेत अन्य औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कारखानों में सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों, कार्य प्रणाली तथा पर्यावरणीय प्रावधानों का बारीकी से परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कई आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए और संबंधित प्रबंधन को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश जारी किए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रमिकों की सुरक्षा और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

दो कंपनियों के खिलाफ श्रम न्यायालय में परिवाद-जिला प्रशासन ने बताया कि पूर्व में भी कई औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। इसी क्रम में शिव शक्ति स्टील प्राइवेट लिमिटेड और श्री साई गणेश ट्रेडिंग कंपनी द्वारा प्रस्तुत पालन प्रतिवेदन संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद संबंधित प्रबंधन के खिलाफ माननीय श्रम न्यायालय, रायगढ़ में परिवाद दाखिल किया गया है। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई के बाद जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में हड़कंप की स्थिति है अधिकारियों का कहना है कि संयुक्त जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और सुरक्षा, श्रमिक कल्याण तथा पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जाएंगे।

महापौर जीवर्धन चौहान ने पैठूडबरी नाला की कराई सफाई, जलभराव रोकने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में मानसून के दौरान जलभराव और जल निकासी की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर जीवर्धन चौहान ने रेलवे स्टेशन स्थित होटल पथिक के सामने पैठूडबरी नाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद रहकर चेंबर हटवाकर नाले की सफाई कराई तथा पूरे सफाई कार्य की निगरानी की।निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी प्रमुख नालों और चेंबरों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो और नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। महापौर ने नाले के भीतर उतरकर कठिन परिस्थितियों में सफाई कर रहे सफाई कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके कार्य की सराहना की।उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करने वाले सफाई कर्मी स्वच्छ रायगढ़ के वास्तविक नायक हैं।

उनके समर्पण और परिश्रम से ही शहर की स्वच्छता और व्यवस्था बनी रहती है।उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि बरसात के पूरे मौसम में संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए तथा जहां कहीं भी जल निकासी में बाधा उत्पन्न हो, वहां तत्काल सफाई कराकर समस्या का समाधान किया जाए। इस दौरान भाजपा कार्यालय मंत्री दिपेश सोलंकी निगम के संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कलम वाले के घर का चिराग बना कॉलेज का सरताज, पत्रकार देवराज दीपक के भतीजे अनिल दीपक ने रचा नया कीर्तिमान

बरमकेला/मूक पत्रिका

मेहनत जब जुनून बन जाए तो सफ लता कदम चूमती है। इसका ताज़ा उदाहरण बने हैं पत्रकार देवराज दीपक के भतीजे अनिल कुमार दीपक, जिन्होंने श्रीराम कॉलेज, बरमकेला की PGDCA सत्र 2025-26 परीक्षा में 80.12 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस शानदार सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे बरमकेला क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। श्रीराम कॉलेज द्वारा घोषित परिणाम में 100 प्रतिशत रिजल्ट दर्ज किया गया, जिसमें अनिल कुमार दीपक ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर टॉप कर सफलता का परचम लहराया। वहीं कविता पटेल ने 73.75 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा बबीता मलाकार ने 71.12 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। अनिल दीपक की इस उपलब्धि पर चौहान समाज ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। अनिल कुमार दीपक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर मेहनत को देते हुए कहा कि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता निश्चित मिलती है।

चिराइपानी में 72 घंटे से ब्लैकआउटः गाज गिरने से ट्रांसफार्मर जला, हड़ताल के बीच बिजली बहाली की मांग; जिला पंचायत सदस्य गोपाल अग्रवाल ने अधिकारियों से किया आग्रह

रायगढ़/चिराइपानी/मूक पत्रिका

ग्राम चिराइपानी पिछले 72 घंटे से अंधेरे में डूबा हुआ है। 29 जून की शाम तेज आंधी-तूफान के दौरान ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली (गाज) गिरने से वह पूरी तरह जल गया, जिसके बाद पूरे गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। स्थिति को और गंभीर बना रही है बिजली विभाग के मैदानी कर्मचारियों की हड़ताल, जिससे ट्रांसफार्मर बदलने और आपूर्ति बहाल करने का कार्य प्रभावित हो रहा है। 72 घंटे से बिजली गुल होने की पुष्टि॰ ङ्क ग्रामीणों के अनुसार गांव में 29 जून की शाम से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है और 72 घंटे बीत जाने के बाद भी बहाली नहीं हो सकी है। ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य एवं सहकारिता एवं उद्योग समिति के सभापति गोपाल अग्रवाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से शीघ्र समाधान का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की हड़ताल अपनी जगह है, लेकिन आम जनता को लंबे समय तक बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल कराने का आग्रह किया है। बिजली बंद होने का सबसे बड़ा असर गांव की पेयजल व्यवस्था पर पड़ा है। बोरवेल और पानी की टंकियां बंद होने से ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। रात होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है, जिससे कीचड़ और जलभराव के बीच सांप, बिच्छू व अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार रातभर भय के साये में रहने को मजबूर हैं। बिजली संकट का असर संचार व्यवस्था पर भी पड़ा है। मोबाइल फोन डिस्चार्ज होने से कई लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क टूट गया है। मेडिकल आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस या 112 सहित अन्य सहायता सेवाओं तक संपर्क करना भी मुश्किल हो रहा है।

बारिश और उमस के बीच पंखे व कूलर बंद होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है। वहीं आटा चक्कियां बंद होने से ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे मोमबत्ती और लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों को अब उम्मीद है कि जिला पंचायत सदस्य गोपाल अग्रवाल के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन और बिजली विभाग शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था कर ट्रांसफार्मर बदलेंगे और चिराइपानी में बिजली आपूर्ति बहाल होगी।

25 लाख की लागत से अमृत मिशन पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन, अटल कॉलोनी को मिलेगी बेहतर पेयजल सुविधा

रायगढ़/मूक पत्रिका

वार्ड क्रमांक 01 अटल कॉलोनी के नागरिकों को बेहतर एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ?25 लाख की लागत से अमृत मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन महापौर जीवर्धन चौहान ने सभापति डिग्रीलाल साहू, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित वार्डवासियों के साथ किया। यह पाइपलाइन दाई होटल से अटल आवास कॉलोनी तक बिछाई जाएगी, जिसे राजीव नगर स्थित पानी टंकी से जोड़ा जाएगा। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति और अधिक सुचारु एवं नियमित हो सकेगी।महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है।पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा को लेकर किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अमृत मिशन के तहत शहर में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।सभापति डिग्रीलाल साहू ने कहा कि अटल कॉलोनी के रहवासियों की लंबे समय से बेहतर पेयजल व्यवस्था की मांग थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है।उन्होंने विश्वास जताया कि पाइपलाइन विस्तार के बाद क्षेत्र के लोगों को नियमित और पर्याप्त पानी मिलेगा तथा उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा।वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी के प्रयासों से शहर में पेयजल, सड़क, नाली सहित विभिन्न विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। उनके मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा जनहित से जुड़े कार्य प्राथमिकता के साथ किए जा रहे हैं, जिससे रायगढ़ के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है।वार्डवासियों ने पाइपलाइन विस्तार कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।भूमिपूजन कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य अमित शर्मा, पार्षद नेहा देवांगन,पार्षदपति अरुण गुरुजी ,मुक्कू यादव , सावित्री मिश्रा,विजय प्रताप सिंह,रवि साहू ,सेतकुमारी चौधरी एवं बड़ी संख्या में वार्ड वासी उपस्थित थे।

दो पोकलेन दाताराम के, दो करण के, एक अरविंद का : डोलोमाइट अवैध खनन में लगी 4 मशीनों के मालिक रायगढ़ के, बहुत बड़ा है सिंडीकेट

रायगढ़/मूक पत्रिका

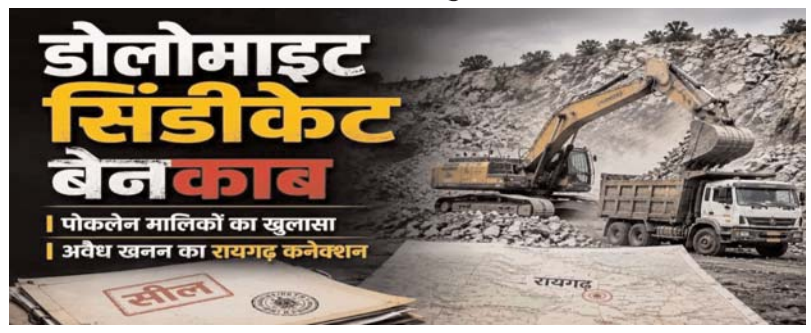

बरमकेला के मौहापाली में हो रहे डोलोमाइट के अवैध खनन में माफ्याओं का सिंडीकेट रायगढ़ से जुड़ा है। ऐसा नहीं है कि केवल लोकल लोग ही संलिप्त हैं। आठ पोकलेन में से चार के मालिक रायगढ़ निवासी हैं, जो सारंगढ़-बिलाईगढ़ के सिंडीकेट की अगुआई कर रहे हैं।सारंगढ़ में खनन माफ्या से पार पाना किसी अफसर या विभाग के बूते की बात नहीं है। एक छोर पर कार्रवाई होती है तो कुछ दिन बाद एक नए लोकेशन पर काम शुरू हो जाता है। स्थानीय स्तर पर पटवारी, आरआई, तहसीलदार सबको पहले सेट किया जाता है ताकि वे आगे का रास्ता बना सकें। बरमकेला के मौहापाली में सात एकड़ जमीन को अवैध खदान बना डाला गया। रातोंरात खनन नहीं हुआ है। यह काम दो साल से ज्यादा समय से चल रहा था। ऐसा भी नहीं है कि पूर्व में पदस्थ अफसरों को इसकी जानकारी नहीं थी। दस किमी के अंदर तहसील कार्यालय है, पुलिस थाना है, पटवारी रोज गांव में आता-जाता है। लेकिन जानबूझकर सिंडीकेट को संरक्षण दिया गया। खनिज विभाग में नवपदस्थ इंस्पेक्टर भी इसलिए कार्रवाई कर पाया क्योंकि उसे किसी के बारे में कुछ पता नहीं था। जिन लोगों के पोकलेन और जेसीबी पकड़े गए हैं, उनमें रायगढ़ के लोग भी हैं। आठ पोकलेन में से चार रायगढ़ के अरविंद, करन और रविंद्र के हैं। डोलोमाइट खनन माफ्या सिंडीकेट में इनका वाहन कई महीनों से काम कर रहा था। जानबूझकर अवैध खनन में वाहन लगाए गए। अब सिंडीकेट ने बचने के लिए चाल चलनी शुरू कर दी है। किसी तरह से कलेक्टर को प्रभावित करने के लिए अलग-अलग लिंक से एप्रोच करने का प्रयास किया जा रहा है।

कटंगी नाला के इर्द-गिर्द भी खनन

कटंगपाली में पुराना प्राकृतिक नाला कटंगी नाला बहता था जो लोगों की निस्तारी के काम आता था। यह आगे जाकर लात नाला में मिलता है। खनन माफ्या ने नाले के आसपास खनन करके उसका अस्तित्व ही मिटा दिया। नाले के रास्ते में अब गहरे गड्ढे ही नजर आते हैं। क्रशरों का वेस्ट मटेरियल भी इस नाले में डाला जाता है।

वाहन मालिक और वाहन
अरविंद रायगढ़ -1 पोकलेन
माधवलाल कटंगपाली - 1 पोकलेन
करन रायगढ़ - 2 पोकलेन
रविंद्र रायगढ़ - 1 पोकलेन
भारत कटंगपाली - 1 पोकलेन
दाताराम कटंगपाली - 2 पोकलेन
नीलमणि मौहापाली - 1 जेसीबी

ग्रामीणों का सीधा आरोपः 'व्यापारिक द्वेष में गिरा रहे हमारी सरकार'

भुईकुरी ग्राम पंचायत का मामला; फ्लाई ऐश डंपिंग की NOC और व्यापारिक द्वेष के चलते चुनी हुई सरकार गिराने की रची गई थी साजिश, ग्रामीणों ने पंचायत भवन में जड़ा ताला

रायगढ़/तमनार/ मूक पत्रिका

सत्ता पलटने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त और 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' अब तक राज्यों की राजनीति का हिस्सा हुआ करती थी, लेकिन रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में यही खेल अब ग्राम पंचायत स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को तमनार की ग्राम पंचायत 'भुईकुरी' में सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव भारी गहमागहमी और ग्रामीणों के जबरदस्त विरोध के कारण अंततः स्थगित करना पड़ा। यह पूरा घटनाक्रम किसी राजनीतिक थ्रिलर से कम नहीं था, जहां 15 दिनों से अज्ञातवास (गोपनीय जगह) पर रखे गए पंचों को ग्रामीणों ने पंचायत भवन में कदम तक नहीं रखने दिया

विधायकों की तर्ज पर पंचों की 'बाड़ेबंदी'

जानकारी के अनुसार, भुईकुरी ग्राम पंचायत में कुल 12 पंच हैं। सरपंच के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव की तिथि घोषित होने के बाद से ही इनमें से 10 पंचों को गांव से बाहर किसी अज्ञात और गोपनीय स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया था। मकसद साफ था.. 'कोई भी पंच अपना पाला न बदल सके!' मंगलवार दोपहर 3:00 बजे जब अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही के लिए इन पंचों की गाड़ियां ग्राम पंचायत भवन पहुंचीं, तो वहां पहले से मौजूद आक्रोशित ग्रामीणों ने उन्हें गाड़ियों से उतरने ही नहीं दिया।

ग्रामीणों का सीधा आरोप: 'व्यापारिक द्वेष में गिरा रहे हमारी सरकार'

ग्रामीणों का साफकहना था कि यह अविश्वास प्रस्ताव पूरी तरह से गलत है और एक चुनी हुई पंचायत सरकार को अनुचित तरीके से गिराने की साजिश है। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा, ÷हमें तो यह भी नहीं पता कि हमारे द्वारा चुने गए सरपंच को हटाया क्यों जा रहा है।÷ ग्रामीणों का सीधा आरोप था कि कुछ बाहरी लोगों के व्यापारिक द्वेष के कारण गांव की राजनीति को मोहरा बनाया जा रहा है। हंगामा इतना जोरदार था कि आक्रोशित ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत भवन के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। स्थिति को बिगड़ता देख पंच पंचायत भवन तक पहुंच ही नहीं पाए।

नायब तहसीलदार ने की सभा स्थगित

अविश्वास प्रस्ताव के लिए पीठासीन अधिकारी (Presiding Officer) के रूप में नियुक्त तमनार के नायब तहसीलदार पंकज मिश्रा ने हालात का जायजा लेने के बाद कार्यवाही को रोक दिया। पीठासीन अधिकारी मिश्रा ने आधिकारिक तौर पर बताया कि ग्रामीणों के भारी विरोध और हंगामे के कारण अविश्वास प्रस्ताव की सभा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। नई तिथि का ऐलान अभी नहीं किया गया है।

पर्दे के पीछे का असली खेल: 'फ्लाई ऐश की कालिख'

इस पूरी राजनीतिक उठापटक के पीछे का सबसे बड़ा कारण सरायपाली गेरवानी तराईमाल क्षेत्र का औद्योगिक ढांचा है। इस इलाके की लगभग पांच ग्राम पंचायतें सीधे तौर पर बड़े उद्योगों से घिरी हुई हैं। इन इलाकों में उद्योगों से निकलने वाले 'फ्लाई ऐश' (राखड़) का ट्रांसपोर्टेशन और डंपिंग एक बहुत बड़ा और मुनाफे वाला व्यवसाय है।

नियमों के अनुसार, किसी भी गांव की सीमा में फ्लाई ऐश डंप करने के लिए ग्राम पंचायत की NOC (अनापत्ति प्रमाण पत्र) अनिवार्य होती है। यही वह 'मास्टर-की' है, जिसके कारण फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टर्स का ग्राम पंचायतों की राजनीति में सीधा और गहरा दखल होता है। सूत्रों की मानें तो भुईकुरी में सरपंच को कुर्सी से हटाने की यह पूरी कवायद इसी 'NOC' के नियंत्रण और राखड़ डंपिंग के व्यापारिक वर्चस्व की लड़ाई का परिणाम है।

संकुल खड़का, मधोता व कुंडगुड़ा में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन, बच्चों को बांटी पुस्तक-गणवेश

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकासखंड के संकुल खड़का, मधोता और कुंडगुड़ा में बुधवार को संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप रहे। अध्यक्षता मधोता सरपंच कलावती नाग ने की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी, शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष चमरुराम यादव, बीआरसी अजम्बर कोर्राम, संकुल प्राचार्य श्यामलाल नेताम मंच पर उपस्थित रहे। साथ ही रैमती नाग, वासुदेव यादव, नरेश ठाकुर, संजय ठाकुर, खड़का संकुल समन्वयक कृष्णा सिंह ठाकुर, कुंडगुड़ा संकुल समन्वयक हरदेव बघेल सहित दोनों संकुलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि कश्यप ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही बस्तर का भविष्य बदलेगा। नियमित स्कूल आकर पढ़ाई करना और अनुशासन में रहना हर बच्चे की जिम्मेदारी है। बीआरसी कोर्राम ने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए पालकों से बच्चों को रोज स्कूल भेजने की अपील की। समारोह में नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। सभी बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें व गणवेश का वितरण किया गया। अतिथियों ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से बस्तर अंचल में शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। आयोजन को लेकर बच्चों व पालकों में खासा उत्साह दिखा।

आज बीजापुर पहुंचेंगे मंत्री रामविचार नेताम, तीन जिलों के विभागों की करेंगे समीक्षा

नैमेड़ मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का करेंगे निरीक्षण, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के साथ आदिवासी छात्रावास-आश्रम का भी लेंगे जायजा

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम आज दो दिवसीय प्रवास पर बीजापुर पहुंचेंगे। प्रवास के दौरान वे विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री दोपहर 12.15 बजे ग्राम नैमेड़ स्थित मत्स्य बीज प्रक्षेत्र पहुंचकर मेजर कार्प उत्पादन एवं वितरण कार्य का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे सर्किट हाउस, बीजापुर पहुंचेंगे।दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों के आदिम जाति विकास, कृषि, किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन एवं पशुधन विकास विभागों की योजनाओं और प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक के बाद मंत्री सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। प्रवास के दूसरे दिन 3 जुलाई को सुबह 9.30 बजे स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भेंट कर क्षेत्रीय विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे।

इसके बाद सुबह 11 बजे स्थानीय आदिवासी छात्रावास एवं आश्रम का निरीक्षण करेंगे। दोपहर 1.30 बजे वे बीजापुर से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे।

जिला टीकाकरण अधिकारी स्वयं उतरे पल्स पोलियो अभियान में, घर-घर पहुंचकर बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

सूरजपुर संवाददाता/ पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला टीकाकरण अधिकारी ने स्वयं स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर घर-घर जाकर 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान उन्होंने टीमों के कार्यों का निरीक्षण किया तथा अभियान की प्रगति का जायजा लिया। जिला टीकाकरण अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 05 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि हर बच्चे तक पोलियो की दवा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को हर

बार पोलियो की खुराक दिलाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घरों पर टीमों द्वारा किए जा रहे चिन्हांकन (मार्किंग) का भी अवलोकन किया तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को नियमित टीकाकरण एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक भी किया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी कारणवश कोई बच्चा पोलियो की खुराक लेने से वंचित रह गया हो, तो निकटतम स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर उसे अवश्य पोलियो की दवा पिलाएं।

अदाणी दिवस पर पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन....

अंबिकापुर। अदाणी समूह के अध्यक्ष श्री गौतम अदाणी के जन्मदिवस के अवसर पर 'अदाणी दिवस' के तहत पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खनन परियोजना के कर्मचारियों, स्थानीय समुदाय एवं सहयोगी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर में खनन परियोजना के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 472 यूनिट रक्तदान किया। यह रक्त क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयोगी रहेगा। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पीईकेबी परियोजना क्षेत्र में 11.293 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 28,231 पौधों का रोपण किया गया। कुल 300 लोगों ने

पौधारोपण में भाग लिया। स्थानीय जलवायु के अनुरूप पौधों का चयन कर हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में कार्य किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रतिनिधि ने कहा, अदाणी दिवस पर आयोजित रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान समाज और पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और वृक्षारोपण के जरिए हरित भविष्य की दिशा में यह हमारा सामूहिक प्रयास है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अदाणी समूह के कर्मचारियों, प्रबंधन, स्थानीय समुदाय, उद्यानिकी टीम, खनन विभाग एवं प्रशासनिक इकाइयों का योगदान रहा। साथ ही जैन पाइप ट्रेडर्स, गंगा सागर चौबे, एमएम सेल्स तथा खनन संविदाकारों ने भी सहयोग प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बिलासपुर। एसईसीएल के वसंत विहार स्थित वसंत क्लब में आज, दिनांक 27 जून 2026 को कोल माइन्स ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमओएआई) की एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी अधिकारियों के हितों के संरक्षण के साथ-साथ संगठन और कंपनी की प्रगति में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के अध्यक्ष श्री आशीष त्यागी, उपाध्यक्ष श्री तिलकराज एवं श्री अजय पंडित, महासचिव श्री आलोक खुल्लर, संयुक्त महासचिव डॉ. अनु नेहा एवं डॉ. सुमित कृष्णन, कोषाध्यक्ष श्री अनुप रहाटे तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री अजय गुप्ता ने अपने-अपने पदों की शपथ ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के चुनाव की प्रक्रिया के अंतर्गत 6 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय तथा 7 जून 2026 को विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में मतदान संपन्न हुआ था। इसके उपरांत 8 जून 2026 को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे। शपथ ग्रहण समारोह में एसईसीएल के अधिकारीगण एवं सीएमओएआई के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का बड़ा बयान,फर्जी रजिस्ट्री और धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित पक्ष के साथ खड़ी है कांग्रेस पार्टी,अगर कार्यवाही नहीं हुई तो कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

बिलासपुर। कुछ दिनों पूर्व लखनपुर विकासखंड के ग्राम चाँदो में आदिवासी मस्त राम मझवार के 3 एकड़ ज़मीन के फर्ज़ी तरीके से रजिस्ट्री मामले में लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है जहाँ ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंहदेव ने साफ़तौर पर कहा है कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित पक्ष के साथ है तथा हर संभव प्रयास कांग्रेस पार्टी के द्वारा पीड़ित के लिए किया जाएगा। सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश में जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है लगातार शासकीय ज़मीन अधिग्रहण,फर्ज़ी ख़रीद बिक्री सहित ज़मीन संबंधी कई मामले मीडिया के माध्यम से लगातार सामने आ रहे हैं।राजस्व अधिकारियों कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल पूछने पर सिंहदेव ने कहा की अगर इन मामलो में राजस्व के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका है तो उन्हें तुरंत बदला जाना चाहिए या फिर उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष ने अपने प्रतिक्रिया में यह बात भी सुनिश्चित की अगर चांदो ग्राम के पीड़ित व्यक्ति के मामले में कलेक्टर सरगुजा या पुलिस प्रशासन कोई पहल नहीं करते हैं तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी मिलकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी और पीड़ित को न्याय नहीं मिल जाने तक अपना उग्र प्रदर्शन जारी रखेगी।

नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव के विजेता बने लहू उघड़े

मुंबई। कई दिनों तक चुनौतीपूर्ण जंगलों में राह खोजने, सीमित संसाधनों और लगातार बदलती परिस्थितियों से लड़ते हुए, लहू उघड़े ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में जीत हासिल की है। अपने एवरेस्ट पर्वतारोहण और सालों के प्रकृति के बीच रहने के अनुभव की बदौलत लहू उघाड़े डिस्कवरी के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रोमांचकारी सर्वाइवल फ्रैंचाइज़ी के भारतीय संस्करण को जीत सके। एशिया-पेसिफिक क्षेत्र में पहली बार पहुंचा यह शो आदिमानवों कि जीवनशैली और उनकी सूझबूझ, कर्मठता और जीवित रहने के कौशल से प्रेरित है।

नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के छह प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिन्हें फिलिपींस के भयावह और चुनौतीपूर्ण पलावन जंगल में उतारा गया था। इस यात्रा में उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना किया, अनजान जंगलों के बीच से रास्ता खोजा और ऐसे वातावरण में खुद को ढाला जहां हर निर्णय मायने रखता है। लहू के लिए यह जीत प्रकृति से उनके जीवनभर के जुड़ाव का उच्च बिंदु था। पुणे में रहने वाले और सिंहगढ़ के कठिन पहाड़ी इलाके में पले-बढ़े लहू बचपन से ही जंगलों, ट्रैकिंग, और पर्वतारोहण कि तरफआकर्षित थे और आगे जाकर उन्होंने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई भी की। नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में उनका यही अनुभव उनके काम आया जहां उन्होंने शांति से निर्णय लिए, परिस्थिति के साथ तालमेल बिठाया और कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखा। शो की पूरी यात्रा के दौरान लहू अपने ग्रुप के एक विश्वसनीय स्तंभ के रूप में खड़े रहे और अपने जीवित रहने के कौशल का उपयोग अपने प्रतिभागियों को सुरक्षित और आरामदायक रखने में किया, खासतौर पर जंगलों की कठिन मांगों को समझते हुए। उनकी कर्मठता, जुगाड़ू दिमाग और किसी भी परिस्थिति को सहन करने के अडिग विश्वास ने उन्हें हर चुनौती से पार पड़ने और जीत हासिल करने में मदद की।

एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास को एमसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) का अतिरिक्त प्रभार..

बिलासपुर। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, माननीय केंद्रीय कोयला मंत्री की स्वीकृति से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के निदेशक (मानव संसाधन) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह प्रभार 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर छह माह अथवा नियमित निदेशक (मानव संसाधन) की नियुक्ति अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। श्री बिरंची दास ने 20 मार्च 2024 को एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) का कार्यभार ग्रहण किया था। लगभग तीन दशक के समृद्ध अनुभव वाले श्री दास ने अपने कार्यकाल में मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंधों, कर्मचारी कल्याण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उनके नेतृत्व में एसईसीएल की प्रमुख सीएसआर पहल एसईसीएल की धड़कन के अंतर्गत जन्मजात

हृदय रोग से पीड़ित 300 बच्चों की सफल हृदय शल्य चिकित्सा पूर्ण की जा चुकी है। वहीं एसईसीएल के सुश्रुत योजना के दो बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हुए हैं। यह देश के किसी भी कोयला सार्वजनिक उपक्रम की पहली योजना बनी जिसे भारत सरकार के डीबीटी पोर्टल पर सूचीबद्ध किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 से अब तक 1,623 से अधिक भू-स्वामियों तथा 946 आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त कर्मचारी कल्याण, औद्योगिक संबंधों एवं संगठनात्मक विकास की दिशा में अनेक नवाचार एवं कर्मचारी हितैषी पहलें सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। श्री बिरंची दास ने अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1994 में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के तालचेर क्षेत्र स्थित देउलबेरा कोलियरी में वेलफेयर ऑफिसर (प्रशिक्षु) के रूप में की थी। उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा से पर्सोनल मैनेजमेंट एवं इंडस्ट्रियल रिलेशंस विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। एमसीएल में अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान उन्होंने औद्योगिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने, गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के आवास आवंटन नियमों तथा विभिन्न मानव संसाधन नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में श्री बिरंची दास छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड के निदेशक मंडल के सदस्य भी हैं।

45 वर्षीय व्यक्ति की संदेहास्पद तरीके से इलाज के दौरान हुई मृत्यु

- अंतिम संस्कार के समय शरीर में चोट और मारपीट की जानकारी के बाद मामला पहुंचा पुलिस थाने
- मारपीट से मौत की जताई जा रही आशंका

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तिरकेला ठेपापारा से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की संदेहास्पद स्थिति में मृत्यु होने की बात निकलकर सामने आई है जहाँ अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो गई। बिना पोस्टमार्टम को ग्रह ग्राम लाया गया जहां अंतिम संस्कार के दौरान शरीर में चोट के निशान दिखने और मारपीट की जानकारी होने पुलिस चौकी पहुंचे और घटना की जानकारी दी वहीं पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया गया है।वहीं मामले में सूचनाकर्ता व्यक्ति के किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा मारपीट की आशंका जतायी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुरा मामला लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तिरकेला के ठेपापारा का है जहाँ एक 45 वर्षीय व्यक्ति कामेश्वर मझवार पिता बंधु मझवार की तबियत ज़्यादा खराब होने पर उसे पहले लखनपुर इलाज के लिए लाया गया था जिसके बाद स्थति गंभीर होने के कारण उसे चिकित्सकों के द्वारा अंबिकापुर रेफर कर दिया गया था जहाँ 27 जून को क़रीब 04 बजे व्यक्ति की संदेहास्पद स्थिति में मृत्यु हो गई। जिसके बाद पूरे मामले की जानकारी कुन्नी चौकी में दर्ज करायी गई जिसके बाद सारा मामला अब लखनपुर पुलिस के हाथों में है तथा लखनपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर व्यक्ति की संदेहास्पद मृत्यु के बाद कुछ विश्वसनीय सूत्रों की माने तो कुछ दिनों पहले मृतक का शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर अपने ही भाई के साथ विवाद हुआ था जिसमें दोनों के बीच लड़ाई में मृतक को अंदरूनी चोंटे आई थी जिसके बाद व्यक्ति

को इलाज के लिए लखनपुर लाया गया था जहाँ डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए मृतक को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफ़र किया था जहाँ उसकी मृत्यु हो गई। अब मामले में सच्चाई क्या है यह तो पुलिस की जाँच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फ़िलहाल पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर मामले की तफ्तीश की जा रही है।

बालको की वजह से क्षेत्र का संपूर्ण विकास संभव लखन लाल देवांगन

खनिज विभाग कोरबा ने सघन अभियान चला 14 जगह मारा छापा

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण पर प्रतिबंध लगाने के लिए शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित चार खनिज जांच दलों ने जिले के संदिग्ध स्थानों सीतामढ़ी, बरमपुर, कपाटमुडा, सरईसिंगार, कुचना मोड़, बरबसपुर, कटबिटला, भैसामुडा, राहडी, मुनगड़ी, आमाखोखरा, कसानिया, लखनपुर, धवईपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारकर सघन जांच की। जिस दौरान बरमपुर तथा पाली में रेत का अवैध परिवहन कर रहे एक टीपर और एक ट्रेक्टर पर कार्यवाही करते हुए जप्त कर हरदीबाजार थाना तथा पाली थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवीनीकृत जुबली पार्क का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। उद्घाटन समारोह में कोरबा नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत, बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह, वार्ड 43 पार्षद हितानंद अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, बालको के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। 'बालको की यह विकास यात्रा पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा।' अतिथियों ने पार्क का भ्रमण कर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं, बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र, वरिष्ठ नागरिकों के विश्राम स्थल, हरित परिसर एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सदस्यों ने बालको द्वारा नागरिक अधोसंरचना एवं हरित सार्वजनिक स्थलों के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, नवीनीकृत जुबली पार्क हरित वातावरण, योग एवं वॉकिंग ट्रैक तथा बच्चों के लिए विकसित आकर्षक सुविधाओं के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराया

टेस्ट इतिहास की उनकी सबसे बड़ी जीत; मुजारबानी, नगरावा और न्यामहुरी ने 17 विकेट लिए

हरारे। जिम्बाब्वे ने हरारे में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में महज 185 रनों पर सिमट गई और मैच तीसरे दिन ही खत्म हो गया। जिम्बाब्वे की जीत में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगरावा और न्यूमैन न्यामहुरी की तिकड़ी ने कुल 17 विकेट लिए। बांग्लादेश ने पहली पारी में 140 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे ने 410 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम 185 रन पर सिमट गई।

बांग्लादेश ने तीसरे दिन की शुरुआत 1 विकेट पर 40 रन से की थी और वह जिम्बाब्वे

के स्कोर से 230 रन पीछे था। ब्रैड इवांस ने शुरुआती ओवर में परेशान किया, जिसके बाद दूसरे ही ओवर में मुजरबानी ने महमूदुल हसन जॉय को गली में कैच आउट कराकर बांग्लादेश को दिन का पहला झटका दिया।

लंच तक बांग्लादेश के 5 विकेट गिरे

मोमिनुल हक भी मुजरबानी की एक ऐसी ही गेंद पर तीसरी स्लिप में कैच दे बैठे। नजमुल हसन शांतो और मुश्फिकुर रहीम ने कुछ बाउंड्री लगाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन यह साझेदारी ज्यादा नहीं टिक सकी। नजमुल को न्यामहुरी ने बोल्ड किया। लंच से ठीक पहले मुश्फिकुर (34 रन) भी मुजरबानी की गेंद पर लेग साइड में कैच दे बैठे, जिससे लंच तक बांग्लादेश का स्कोर 5 विकेट पर 117 रन हो गया।

दूसरे सेशन में मुजरबानी और नगरावा का कहर

लंच के बाद मुजरबानी ने तौहीद हृदोय को तीसरी स्लिप में कैच कराकर अपना चौथा विकेट लिया। इसके बाद डेब्यू कर रहे अमिते हसन और तैजुल इस्लाम ने संभलकर खेलते हुए तेजी से रन बनाए और 34 रन की साझेदारी की। हालांकि, इवांस ने शॉर्ट बॉल पर तैजुल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके अगले ही ओवर में कप्तान नगरावा ने अमिते हसन को दूसरी स्लिप में और फिर खालिद अहमद को विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर बांग्लादेश का स्कोर 9 विकेट पर 162 रन कर दिया।

न्यामहुरी ने लिया आखिरी विकेट

इबादत हुसैन और हसन महमूद ने कुछ चौके लगाकर जिम्बाब्वे की जीत का इंतजार थोड़ा बढ़ाया। मुजरबानी अपने 5 विकेट पूरे करने के लिए यॉर्कर फेंकते रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। आखिरकार, न्यूमैन न्यामहुरी ने हसन महमूद को मुजरबानी के हाथों कैच कराकर बांग्लादेश की दूसरी पारी को 185 रन पर समेट दिया।

राजस्थान के पावरलिफ्टरों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण

बीकानेर। राजस्थान के पावरलिफ्टरों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर रिकार्ड बनाया है। हैदराबाद में हाल ही में संपन्न हुई 48वीं पुरुष-महिला जूनियर एवं 27वीं सब जूनियर राष्ट्रीय इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2024 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। 23 से 28 जून तक गाचीबोवली स्टेडियम में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन राजस्थान के दमदार पावरलिफ्टरों ने दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए सभी को हैरान कर दिया। इस पहला स्वर्ण पदक 57 किलोग्राम भार वर्ग में राजस्थान की खिलाड़ी ममता ने हासिल किया। वहीं, 120 किलोग्राम भार वर्ग में बीकानेर के श्रीकांत बिस्सा ने स्वर्ण जीता।उनकी इस उपलब्धि से न केवल बीकानेर बल्कि पूरे राजस्थान में खुशी की लहर दौड़ गई है। इन युवा प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें राष्ट्रीय मंच पर सफलता दिलाने में राजस्थान टीम के कोच हंसराज किराडू की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। ममता और श्रीकांत बिस्सा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सिद्ध किया है कि सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास, दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस के साथ किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर

न्यूयार्क। फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है। इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड

ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

मोरक्को के गोलकीपर ने 2 सेव किए; ब्राजील के मार्टिनेली ने आखिरी मिनट में गोल

फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई। इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी। ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंची है।

क्रिकेटर शशांक और उनके पिता पर कुक ने मारपीट के आरोप लगाये

भोपाल। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर शशांक सिंह पर घर के कुक ने मारपीट के आरोप लगाये हैं। इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि क्रिकेटर के अलावा उनके पिता रिटायर्ड आईपीएस शैलेश सिंह और परिवार के ड्राइवर पर भी कुक ने ये आरोप लगाये हैं। इस मैच में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत और शुरुआती मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर शशांक ने अपने और अपने पिता के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर सफाई देते हुए सभी आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने आरोप लगाए हैं, उसे न तो बंधक बनाया गया और न ही उसके साथ वैसा कोई व्यवहार हुआ, जैसा शिकायत में कहा गया है। वहीं इससे पहले रीवा जिले के 31 वर्षीय विपेंद्र सिंह तोमर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विपेंद्र के अनुसार वह क्रिकेटर के घर में कुक का काम करते हैं। उन्हें प्रतिमाह 15 हजार रुपये वेतन, रहने-खाने की सुविधा और भविष्य में सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिया गया था पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। कुक विपेंद्र के अनुसार कुछ समय बाद उन्हें घर का माहौल पसंद नहीं आया और उन्होंने नौकरी छोड़कर वापस रीवा लौटने की इच्छा जताई। उसके परिवार के सदस्यों ने उन्हें वापस जाने से रोक दिया और उनका मोबाइल फोन तक छीन लिया। इसके बाद से ही उन पर जबरन काम करने का दबाव बनाया जाने लगा। कुक के अनुसार अपने को बचाने के लिए उन्होंने एक कमरे में जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया, लेकिन आरोप है कि शशांक सिंह, उनके पिता शैलेश सिंह और ड्राइवर ने मिलकर दरवाजा खुलवाया और फिर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की।

विंबलडन में अनोखी ड्रेस पहनकर खेलने उतरीं नाओमी ओसाका!

लंदन। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में अपने खेल के साथ-साथ अनोखे अंदाज से भी सभी का ध्यान खींचा। ओसाका कोर्ट पर किल बिल फिल्म से प्रेरित सफेद किमोनो पहनकर उतरीं, जो उनकी जापानी संस्कृति को समर्पित था। यह खास पोशाक पारंपरिक जापानी शिरोमुकु शादी की पोशाक और एक वेडिंग ड्रेस के अपसाइकल्ड कपड़ों से तैयार की गई थी। फैशन स्टेटमेंट के बाद ओसाका ने कोर्ट पर भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस की एल्सा जैकमो को 6-1, 7-5 से हराकर विंबलडन के दूसरे दौर में जगह बनाई।

किल बिल की इस किरदार से मिली प्रेरणा

● जीत के बाद ओसाका ने बताया कि उनका किमोनो उनकी जापानी विरासत और निर्देशक क्वेंटिन टोरेंटीनो की मशहूर फिल्म किल बिल से प्रेरित था। उन्होंने कहा,

● मेरे लिए मेरी जापानी विरासत बहुत मायने रखती है। विंबलडन में सभी सफेद रंग पहनते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि किमोनो पहनकर कोर्ट पर आना शानदार रहेगा।

● किल बिल मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है और मुझे लूसी लियू का किरदार ओ-रेन इशी बहुत पसंद है, जो सफेद किमोनो पहनती हैं।

● मैं कभी-कभी वीडियो गेम के किरदार जैसा महसूस करना चाहती हूं। कोर्ट पर खेलते समय मैं खुद नहीं बनना चाहती और उस किरदार की ऊर्जा को अपने अंदर महसूस करने की कोशिश करती हूं।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वैभव को मिल सकती है जगह

सैमसन या ईशान को दिया जा सकता है आराम

लंदन। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में उतरेगी। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली अप्रत्याशित हार को देखते हुए इस मैच में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इसके तहत शीर्ष कम्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल कर सकती है।

आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में वैभव को कोई अवसर नहीं मिला। वहीं आयरलैंड के खिलाफ हार के बाद वैभव को अंतिम ग्यारह में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में वैभव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। ऐस में उम्मीद है कि यह वैभव भारतीय पारी की शुरुआत करेगा। वहीं कहा जा रहा है कि बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में आराम दिया जा सकता है। सैमसन ने आयरलैंड के खिलाफ दोनों टी20 मैचों में बतौर ओपनर शुरुआत की पर वह रन नहीं बना पाये थे। पहले मुकाबले में वह केवल 5 रन जबकि दूसरे में शून्य पर ही आउट हो गये थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या संजू सैमसन विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाये रख पाते हैं या नहीं। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सैमसन के पास थी, जबकि दूसरे मैच में ईशान किशन ने विकेटकीपिंग की थी। ईशान भी हालांकि रन नहीं बना पाये थे। वह पहले मैच में 1 रन बनाया और दूसरे में 12 रन ही बना पाए। टीम प्रबंधन शीर्ष-3 में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों वैभव और अभिषेक के साथ ईशान को शायद ही उतारे। ऐसे में सैमसन की जगह ईशान किशन को भी आराम दिया जा सकता है। दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में सिर्फ 20 गेंदों पर 49 रन की आक्रामक पारी खेली थी, जिससे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा रही है। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में बड़े बदलाव की संभावना कम है इसमें सबकी नजरें सूर्यांश शेडगे पर होंगी। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में डेब्यू करने वाले ऑलराउंडर का प्रदर्शन कुछ खास प्रदर्शन नहीं रहा था। ऐसे में शेडगे की जगह पर वॉशिंगटन सुंदर की अंतिम ग्यारह में अवसर मिल सकता है। पहले टी20 के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हो सकती है- अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं। इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है। इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। इंग्लैंड के पास जोफा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।
इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

सेना के दो हवलदारों ने दिलाया विश्वकप का पहला स्वर्ण पदक

वीजा संकट के बावजूद नहीं टूटा हौसला

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसके जवान सिर्फ सीमाओं की रक्षा ही नहीं, बल्कि खेलों के मैदान में भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। 27 जून को स्विट्जरलैंड के लुसर्न में आयोजित वर्ल्ड रोइंग कप स्टेज-3 में हवलदार लक्षय और हवलदार उज्ज्वल कुमार सिंह की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए भारत को इस प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। दोनों ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा में छह मिनट 26.09 सेकेंड का समय निकालकर दुनिया की दिग्गज टीमों को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि प्रतियोगिता से पहले भारतीय टीम को वीजा संबंधी बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का मुकाबला नीदरलैंड्स और हांगकांग जैसी मजबूत टीमों से था। रेस बेहद रोमांचक रही और अंतिम क्षणों तक विजेता तय नहीं हो पाया। आखिर में लक्षय और उज्ज्वल ने शानदार तालमेल और संयम दिखाते हुए बेहद मामूली अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह वर्ल्ड रोइंग कप के इतिहास में भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

इस ऐतिहासिक सफलता की कहानी आसान नहीं थी। भारतीय टीम बुल्गारिया के प्लोवदिव में होने वाले वर्ल्ड कप स्टेज-2 में हिस्सा ही नहीं ले सकी क्योंकि खिलाड़ियों के पासपोर्ट बुल्गारियाई दूतावास में अटक गए थे। इसके बाद स्विट्जरलैंड का वीजा हासिल करने के लिए टीम के पास केवल पांच दिन बचे थे। विदेश मंत्रालय और खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद समय रहते वीजा मिला और टीम स्विट्जरलैंड पहुंच सकी।

रणनीति बनी जीत की सबसे बड़ी वजह

लक्षय और उज्ज्वल ने शुरुआती दौर से ही ऊर्जा बचाने की रणनीति अपनाई और आसानी से ए-फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में जहां नीदरलैंड्स और हांगकांग की जोड़ियां प्रति मिनट करीब 40 स्ट्रोक की गति से नाव चला रही थीं, वहीं भारतीय जोड़ी ने 36 स्ट्रोक प्रति मिनट की संतुलित लय बनाए रखी। यही रणनीति अंत में उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई और उन्होंने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

लंदन में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई चेलेसा और एस्टन विला की टीमें।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विराट की वापसी के बाद ईशान नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें : रायुडू

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट कोहली की वापसी को देखते हुए बल्लेबाज ईशान को चौथे नंबर पर उतारा जाना चाहिये। रायुडू के अनुसार ईशान बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जिससे ईशान स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। रायुडू ने ईशान किशन के हाला के अच्छे प्रदर्शन की तारीफ की और कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। धर्मशाला में 34 रन और लखनऊ में 125 रन की अपनी पारियों से इस बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रायुडू के

विश्लेषण के मुताबिक, विराट कोहली के नंबर-3 पर लौटने के बाद, ईशान के लिए नंबर-4 सबसे उपयुक्त स्थान होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नंबर-4 पर ईशान किशन और नंबर-5 पर श्रेयस अय्यर की जोड़ी भारत के मध्यक्रम को बेहद मजबूत और स्थिर बना सकती है। रायुडू ने विराट कोहली की मानसिक दृढ़ता और फिटनेस की जमकर तारीफ की। रायुडू ने कहा कि विराट अपनी तैयारी, फिटनेस और प्रक्रिया को लेकर बेहद अनुशासित हैं। उन्हें हमेशा पता होता है कि खराब दौर हमेशा नहीं रहेगा। उनकी यह लग्न युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया मानक स्थापित करती है। कई क्रिकेटरों ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने करियर को बेहतर बनाया है। वहीं रायुडू ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल को लगातार अवसर दिये जाने चाहिये।

उन्होंने भरोस जताया कि है कि रोहित 2027 विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न हिस्सा रहेंगे। रायुडू ने कहा कि उनका अनुभव टीम के लिए अमूल्य है और वे न केवल मैदान पर, बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बड़े मैचों में रोहित हमेशा ही असाधारण प्रदर्शन करते हैं।

विंबलडन के पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन सिनर हारने से बचे

1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की, 39 साल के जोकोविच की जीत से शुरुआत

लंदन।

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विंबलडन की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ 1-2 से पिछड़ने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला जीत गए। चौथे सेट के दौरान सिनर के जूते से खून बाहर आने लगा था। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था, लेकिन वे दर्द के बावजूद खेलते रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ेगा।

लेकिन, इटैलियन स्टार ने हार नहीं मानी और जीत हासिल की। महिला एकल में जापान की नाओमी ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

जोकोविच ने चीन के खिलाड़ी को हराया

25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में जुटे सर्बिया के 39 साल के नोवाक जोकोविच ने चीन के वू यिबिंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि, जीत के लिए उन्हें चार सेट तक खेलना पड़ा। जोकोविच फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, आज का मैच मेरे लिए वाकई चुनौतीपूर्ण था। मैं जीत से खुश हूं, लेकिन पूरी तरह तरोताजा महसूस नहीं कर रहा हूं। सच कहूं तो कोर्ट पर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह टूर्नामेंट का पहला ही दौर है।

सिनर बोले- पहला मैच खेलना सम्मान

साढ़े तीन घंटे चले इस मुकाबले में सिनर ने केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-7, 6-2, 6-3 से हरा दिया। जीत के बाद सिनर ने कहा- सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना सम्मान की बात है। शुरुआत काफी नर्वस करने वाली थी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने खुद को संभाला और मैच जीत लिया।

नाओमी ओसाका का किमोनो लुक

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने मैच जीतने के साथ-साथ फैंस का दिल भी जीता। विंबलडन के सख्त नियम (सिर्फ सफेद कपड़े पहनने की अनुमति) के बीच ओसाका पारंपरिक जापानी पोशाक किमोनो स्टाइल की सफेद ड्रेस पहनकर कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट की ओर जाते समय उनके इस फैशन स्टेटमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा। ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से आसानी से मात दी।

डीएपी के नाम पर किसानों से कथित ठगी का भंडाफोड़, कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

पुलकित बायोफर्टीलाइजर से जुड़े चार लोगों पर सरसीवां थाने में एफआईआर, संयुक्त टीम ने गाड़ापाली में की कार्रवाई

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कृषि विभाग एवं तहसील प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में डीएपी खाद के नाम पर किसानों को कथित रूप से गुमराह कर जैव उर्वरक बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान सरसीवा से लगे ग्राम गाड़ापाली में पुलकित बायोफर्टीलाइजर प्रा. लि. से जुड़े चार व्यक्तियों के विरुद्ध सरसीवां थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कृषि विभाग के अनुसार, प्राप्त शिकायतों एवं गोपनीय सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने गाड़ापाली में घेराबंदी कर कार्रवाई की। जांच के दौरान आरोप है कि संबंधित लोग पिछले दो-तीन वर्षों से सरसीवा क्षेत्र में रहकर सारंगढ़-बिलाईगढ़, जांजगीर-चांपा एवं शक्ति जिले के ग्रामीण इलाकों में किसानों के बीच अपने उत्पाद का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। किसानों को उक्त उत्पाद डीएपी खाद बताकर बेचा जाता था, जबकि विभाग के अनुसार वह डीएपी उर्वरक नहीं था। किसानों को बिक्री के समय बिल भी उपलब्ध कराया जाता था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी सुनसान स्थानों पर किराये के कमरे लेकर अस्थायी ठिकाना बनाते थे और समय-समय पर अपना स्थान बदलकर ग्रामीण क्षेत्रों में खाद का विक्रय करते थे, जिससे उन पर आसानी से संदेह न हो। कृषि विभाग ने बताया कि गत वर्ष सरसीवा तहसील के ग्राम भिनोदा में भी इसी कंपनी का उत्पाद मिला था, लेकिन उस समय विक्रेताओं तक कार्रवाई नहीं पहुंच सकी थी। इस बार योजनाबद्ध कार्रवाई के दौरान आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

किसानों से कृषि विभाग की अपील

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें, प्रत्येक खरीद का पक्का बिल अवश्य लें तथा यदि कोई व्यक्ति गांव-गांव घूमकर डीएपी के नाम पर संदिग्ध खाद बेचता मिले तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग अथवा नजदीकी पुलिस थाने को दें, ताकि समय रहते नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

डॉक्टर्स डे पर ज्ञान का अनमोल उपहार : डॉ. प्रवीना चौहान को मिली MBBS तृतीय वर्ष की पुस्तकें, बढ़ा सेवा का संकल्प

बरमकेला /मूक पत्रिका

डॉक्टर दिवस एवं जन्मदिवस के शुभ अवसर पर ग्राम अमूर्रा की होनहार मेडिकल छात्रा डॉ. प्रवीना चौहान, जो वर्तमान में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही हैं, उनकी उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें एमबीबीएस तृतीय वर्ष की महत्वपूर्ण पुस्तकों का उपहार भेंट किया गया। यह प्रेरणादायी पहल वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. किशोर चौहान एवं विद्या किशोर चौहान जनपद अध्यक्ष बरमकेला ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने कहा कि एक भावी डॉक्टर को समय पर सही मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। पुस्तकों का यह उपहार केवल अध्ययन सामग्री नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा का प्रतीक है। डॉ. किशोर चौहान ने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने डॉ. प्रवीना चौहान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर क्षेत्र एवं समाज का नाम रोशन करेंगी।

जनपद अध्यक्ष विद्या चौहान ने भी जन्मदिवस एवं डॉक्टर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को उड़ान देना समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने प्रवीना चौहान को निरंतर मेहनत करते हुए एक सफल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीना चौहान ने पुस्तकें भेंट करने पर डॉ. किशोर चौहान एवं विद्या चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान और प्रोत्साहन उनके लिए नई ऊर्जा का स्रोत है तथा वे पूरी निष्ठा के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखकर समाज सेवा के लक्ष्य को साकार करेंगी।

सारंगढ़ के दो खिलाड़ियों ने मुंबई में जीते स्वर्ण पदक, क्षेत्र का बढ़ाया मान

सारंगढ़/मूक पत्रिका

मुंबई में 27, 28 एवं 29 जून 2026 को आयोजित 24वीं इंटरनेशनल जीत कुने डो चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ जिले के दो होनहार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के 18+ आयु वर्ग (कुमिते) में शिवा सारथी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 12+ आयु वर्ग (कुमिते) में रितेश सारथी ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। दोनों खिलाड़ी सारंगढ़ के निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों की सफलता पर खेल प्रेमियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दोनों खिलाड़ियों के कोच अजय पटेल ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश और छत्तीसगढ़ का नाम और अधिक ऊंचा करेंगे।

जनसेवा के प्रति समर्पित भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोहर पटेल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, शुभकामनाओं का लगा तांता

सारंगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला उपाध्यक्ष मनोहर पटेल का जन्मदिन जिलेभर में हर्षोल्लास, उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दिनभर उनके निवास एवं विभिन्न स्थानों पर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटकर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। उपस्थित लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मनोहर पटेल लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सरल स्वभाव और जनसेवा की भावना उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाती है। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि मनोहर पटेल का नेतृत्व संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने क्षेत्र के विकास, सामाजिक समरसता और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहकर अपनी अलग पहचान बनाई है। यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर सभी वर्गों के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल राजनीतिक जीवन की मंगलकामना की। पूरे दिन सोशल मीडिया के माध्यम से भी शुभकामना संदेशों की बाढ़ रही। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां साझा कीं और मनोहर पटेल के नेतृत्व में संगठन की मजबूती तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का संकल्प भी दोहराया। शासकीय प्राथमिक शाला खिचरी मे भी स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों ने जन्मदिवस को यादगार मनाया

21 साल बाद पीडिया में फिर खुले स्कूल, 539 बच्चों के हाथों में लौटी किताबें, माओवादी हिंसा के कारण बंद थे 11 विद्यालय, प्रवेशोत्सव के साथ शुरू हुई पढ़ाई, जिले में इस वर्ष 37 स्कूलों का हुआ पुनः संचालन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । बीजापुर जिले के माओवादी प्रभावित पीडिया क्षेत्र में 21 साल बाद शिक्षा की नई शुरुआत हुई है। वर्षों से बंद पड़े 11 विद्यालयों में बुधवार से फिर पढ़ाई शुरू हो गई। इसके साथ ही 11 गांवों के 539 बच्चों को अपने गांव में ही शिक्षा का अवसर मिल गया। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए नई उम्मीद की शुरुआत बताया। सलवा जुडूम के दौरान माओवादी हिंसा की वजह से पीडिया क्षेत्र के कई स्कूल बंद हो गए थे। कुछ भवन भी क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालात सामान्य होने के बाद जिला प्रशासन ने इन विद्यालयों को दोबारा शुरू करने की पहल की है। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें स्कूल बैग, कॉपी, पेन व स्लेट वितरित किए गए। शिक्षादूतों को भी शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, जनपद उपाध्यक्ष दिनेश पुजारी, सरपंच सन्नू अवलम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कहा कि शिक्षा से ही क्षेत्र के विकास का रास्ता मजबूत होगा। सरकार विद्यालयों में भवन, पेयजल, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने बताया कि जिले में बंद स्कूलों को मूल गांवों में फिर से शुरू करने का अभियान जारी है। इस वर्ष अब तक 20 प्राथमिक और 17 उच्च प्राथमिक विद्यालयों सहित कुल 37 स्कूलों का पुनः संचालन किया जा चुका है। कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि माओवाद से मुक्त हो रहे क्षेत्रों में हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। आने वाले समय में भी बंद विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा।

एक नजर में

21 साल बाद 11 विद्यालयों में फिर शुरू हुई पढ़ाई।11 गांवों के 539 बच्चों को मिला लाभ।

इस वर्ष जिले में 37 बंद विद्यालयों का पुनः संचालन।बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, पेन और स्लेट वितरित किए गए।प्रशासन का लक्ष्य, हर बच्चे को उसके गांव में शिक्षा उपलब्ध कराना।

डॉक्टर्स डे पर कलेक्टर ने उत्कृष्ट चिकित्सकों का किया सम्मान

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ के सभा कक्ष में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिले में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर कलेक्टर ने सम्मानित किया। अतिथि पद्मिनी भोई साहू ने चिकित्सकों के समर्पण, सेवा भावना एवं आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए सभी डॉक्टरों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित चिकित्सकों एवं अधिकारियों ने केक काटकर राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया तथा जनसेवा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए चिकित्सकों के योगदान का बखान किया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफएवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

संयुक्त कार्रवाई में 4 आरोपी गिरफ्तार, सरसीवां थाना में एफआईआर दर्ज

डीएपी के नाम पर किसानों से ठगी करने वाले गिरोह पकड़ाया

टीम ने सरसीवां क्षेत्र के गाड़ापाली गांव में घेराबंदी कर पकड़ा

किसानों से अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद खरीदने की अपील

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

1 जुलाई 2026/जिले में किसानों को डीएपी खाद के नाम पर कथित रूप से ठगने वाले गिरोह का कृषि विभाग एवं तहसील प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भंडाफोड़ किया है। सरसीवां से लगे ग्राम गाड़ापाली में घेराबंदी कर पुलकित बायोफर्टीलाइजर प्रा. लि. से जुड़े 4 अधिकृत व्यक्तियों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध सरसीवां थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले दो- तीन वर्षों से सरसीवां क्षेत्र में रहकर सारंगढ़- बिलाईगढ़, जांजगीर-चांपा तथा सक्ती जिले के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय थे। आरोप है कि वे गांव -गांव जाकर अपने उत्पाद को डीएपी खाद बताकर किसानों को बेचते थे। किसानों को बिल भी दिया जाता था, जबकि बेचा जा रहा उत्पाद डीएपी नहीं था। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी सुनसान स्थानों पर किराये के कमरों में ठिकाना बनाकर लगातार स्थान बदलते रहते थे, ताकि उन पर संदेह न हो। जिले में उर्वरक का विक्रय केवल वैध अनुज्ञप्ति एवं अधिकृत विक्रय केंद्र से ही किया जा सकता है। गत वर्ष भी सरसीवां तहसील के ग्राम भिनोदा में इसी कंपनी का खाद मिला था, लेकिन उस समय विक्रेताओं तक कार्रवाई नहीं पहुंच सकी थी। इस बार कृषि विभाग और तहसील प्रशासन की सतर्कता से आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ने में सफलता मिली। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देश पर उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कृष्ण कुमार साहू, उर्वरक निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, तहसीलदार मोहन साहू, कुलदीप नायक तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कृषि विभाग ने किसानों से अपील किया है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें, खरीद का पक्का बिल अवश्य लें तथा यदि कोई व्यक्ति गांव या शहर में डीएपी के नाम पर संदिग्ध खाद बेचते हुए मिले तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।